■ श्रावण शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 15 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 06-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का कटाक्षः 'दोस्त दोस्त ना रहा...ट्रंप तेरा ऐतबार ना रहा'

6 मालदीव के साथ भारत के संबंध सुधरने के बाद क्या बदला है?

7 'रांझणा' के एआई संस्करण ने मुझे विचलित कर दिया : धनुष

फर्स्ट टेक

अमेरिका को भारत से रिश्ते खराब नहीं करने चाहिए : निक्की हेली

न्यूयॉर्क/भाषा। रिपब्लिकन पार्टी की भारतवंशी नेता निक्की हेली ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका को भारत जैसे मजबूत साझेदार के साथ अपने संबंधों को खराब नहीं करना चाहिए और चीन को छूट नहीं देनी चाहिए। हेली ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। लेकिन चीन, जो एक विरोधी है और रूसी और ईरानी तेल का नंबर एक खरीदार है, उसे 90 दिनों के लिए शुल्क पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा, चीन को छूट नहीं देनी चाहिए और भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ अपने रिश्ते खराब न करें।

पाक सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया

मेंढर/जम्मू/भाषा। मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार शाम को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारत की अग्रिम चौकियों पर अकारण गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने भी इसका कड़ा जवाब दिया और मनकोट सेक्टर में दोनों पक्षों के बीच छोटे हथियारों से गोलीबारी करीब 15 मिनट तक जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम उल्लंघन के मद्देनजर सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यह उल्लंघन जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों – लद्दाख और जम्मू-कश्मीर – में विभाजित करने के छह साल पूरे होने पर हुआ है। सूत्रों ने बताया कि सीमा पार से अग्रिम चौकियों पर शाम 7.40 बजे गोलीबारी शुरू हुई और भारतीय सैनिकों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

ग्रेटर नोएडा के निवासी के खाते में जमा हुए 11.13 लाख करोड़ रुपए

नोएडा/भाषा। दनकौर के निवासी दिलीप उस समय हैरान रह गए जब उनके खाते में 14 अंकों की रकम जमा हो गई। हालांकि, उनकी यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली। एक अगस्त को, 20 वर्षीय दिलीप को एक संदेश मिला कि उनके बैंक खाते में 11.13 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। बेरोजगार दिलीप दौड़े-दौड़े अपने बैंक गए, जहां उन्हें बताया गया कि यह अप्रत्याशित धनराशि नावी यूपीआई ऐप में हुई गड़बड़ी के कारण जमा हुई और उनके खाते में अब भी एक भी पैसा नहीं है।

06-08-2025 सूर्यास्त 6:44 बजे | 07-08-2025 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
80,710.25	24,649.55
(-308.47)	(-73.20)

सोना	चांदी
10,345 रु.	116,251 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मनमानी

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

भारत और फिलीपीन ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत और फिलीपीन ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपीन तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है।

मोदी ने कहा कि फिलीपीन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

भारत पर शुल्क में भारी बढ़ोतरी करेंगे : राष्ट्रपति ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने 'सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स' को दिए साक्षात्कार में कहा, भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। वह हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ 'अड़चन' यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, अब मैं यह कहूंगा कि भारत अबतक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा... लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली में

बादल फटने से खीर गंगा नदी में आई बाढ़ में चार लोगों की मौत, कई लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली में बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा कई मकान और होटल तबाह हो गए।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने घटनास्थल के लिए रवाना होने से पहले चार व्यक्तियों की मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि नुकसान की सही जानकारी कुछ देर बाद ही सामने आ पाएगी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली में हुए भारी नुकसान पर दुख जताया और प्रभावितों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि सेना, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा जिला प्रशासन की टीम राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। धामी ने कहा कि वह निरंतर वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में हैं और स्थिति की नियमित जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। एक स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी राजेश पंवार ने बताया कि खीर गंगा के जल ग्रहण क्षेत्र के उपर बादल फटा जिसकी वजह से नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गई।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को मंजूरी दे दी।

राज्यसभा में आज विपक्षी सदस्यों के विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के बीच इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित किया गया। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

इससे पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से संबंधित सांविधिक संकल्प को चर्चा एवं पारित करने के लिए उच्च सदन में पेश किया जिसके तहत राज्य में 13 फरवरी 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लागू राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह और महीने के लिए बढ़ाया जाना है। संकल्प में कहा गया है, यह सभा राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन जारी दिनांक 13 फरवरी, 2025 की उद्घोषणा को दिनांक 13 अगस्त, 2025 से आगे छह माह के लिए जारी रखने का अनुमोदन करती है। उच्च सदन में उपसभापति हरिवंश ने चर्चा के लिए कई सदस्यों का नाम पुकारा किंतु वाईएसआर कांग्रेस के सुभाष चंद्र बोस पिल्लै और बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान के अलावा किसी अन्य विपक्षी सदस्य ने चर्चा में भाग नहीं लिया।

हंगामे और शोरशराबे के कारण पिल्लै और खान की बात सुनी नहीं जा सकी। यह दोनों सदस्य जब बोल रहे थे तो कई विपक्षी सदस्य उनके आसपास खड़े होकर नारेबाजी कर रहे थे।

पाकिस्तान की किसी भी हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए

भारतीय सेना को तैयार रहना होगा: सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सेना को पाकिस्तान द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के हिंसक कृत्यों का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा।

यहां एक कार्यक्रम में को संबोधित करते हुए सीडीएस ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्ण-आयामी प्रतिरोध सिद्धांत को चुनौती देने की आवश्यकता है, तथा इस बात पर जोर दिया कि आतंकवादी पाकिस्तान के किसी भी हिस्से में छिप नहीं सकते।

वार्षिक 'ट्राइडेंट' व्याख्यान शृंखला के उद्घाटन सत्र में उन्होंने दोहराया कि सैन्य तैयारी अत्यंत उच्च स्तर की होनी चाहिए, चौबीसों घंटे और वर्ष के 365 दिन तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि युद्ध और शांति के बीच बहुत कम अंतर है, तथा कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वे एक दूसरे में विलीन हो रहे हैं।

सीडीएस ने कहा, हमें अपरंपरागत और परमाणु क्षेत्रों के बीच पारंपरिक अभियानों के लिए अधिक स्थान बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान की धरती पर कहीं भी छिप नहीं सकते।

जनरल चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय सेना के पास अत्यधिक दूरी पर स्थित स्थिर और गतिशील दोनों लक्ष्यों को भेदने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली किसी भी हिंसात्मक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा, चाहे वह राज्य के तत्वों द्वारा की जाए या राज्येतर तत्व द्वारा की जाए, और यह पहला मानदंड है, जो हमें समझना होगा। यह हम सभी के लिए नया मानदंड है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दावा

भारत में आतंकवाद, धर्मांतरण के लिए होता है 'विदेशी हाथों' में जाने वाले मुनाफे का इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'वोकल फॉर लोकल' अपनाने का आह्वान

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने का आह्वान करते हुए मंगलवार को दावा किया कि दूसरे देशों में निर्मित सामान खरीदने पर 'विदेशी हाथों' में जाने वाले मुनाफे का इस्तेमाल भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद, धर्मांतरण और लव जिहाद फैलाने के लिए किया जाता है।

अलीगढ़ में 958 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का पुरजोर आह्वान किया और कहा, हमारा पैसा अगर हमारे ही कारीगरों और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा लेकिन अगर हमारा ही पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो वह मुनाफा आतंकवाद के रूप में, धर्मांतरण के रूप में, विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने के लिए देश के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। इसीलिए स्वदेशी आज की आवश्यकता है।

अमेरिका द्वारा भारत पर भारी शुल्क लगाने के ऐलान के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछली दो अगस्त को वाराणसी में स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बयान दिया है। आदित्यनाथ ने कहा, याद रखना, वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जब कोई पर्व और त्योहार आता था तो उससे पहले प्रदेश में चीन के सामान छा जाया करते थे लेकिन 2018 के बाद जब 'एक जिला एक उत्पाद' योजना को हम लोगों ने लागू किया तो हमारे कारीगरों ने बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद बनाने शुरू किए।

न्यायापालिका तय नहीं करेगी कि कौन सच्चा भारतीय है: प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल गांधी के सेना से संबंधित एक बयान को लेकर नाखुशी जताए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कहा कि कोई न्यायाधीश अथवा न्यायपालिका यह तय नहीं कर सकते कि कौन सच्चा भारतीय है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के कारण राहुल गांधी का यह कर्तव्य है कि वह सरकार से सवाल पूछें। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि उनके भाई सेना का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन उनकी टिप्पणी को गलत ढंग से उद्धृत किया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर': राजग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया

प्रधानमंत्री मोदी ने गठबंधन और शाह की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)के सांसदों को मंगलवार को करीब एक साल से अधिक समय के अंतराल के बाद संबोधित करते हुए एक स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में सामूहिक पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 1998 में राजग की स्थापना के बाद से इसकी यात्रा सफलताओं से भरी हुई है तथा इसमें और भी कई उपलब्धियां हैं।

मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी ताकत से परे जाकर विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

राजग के संसदीय दल की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी। करीब एक साल के अंतराल पर मंगलवार को हुई राजग संसदीय दल की बैठक में मोदी को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके 'असाधारण नेतृत्व' के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके 'बेजोड़ साहस' और 'अटूट प्रतिबद्धता' के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी लंबा रास्ता तय करना है। इससे सांसदों के बीच इस बयान के निहितार्थ को लेकर चर्चा शुरू हो गई।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि यह सरकार और भी कई उपलब्धियां हासिल करेगी। प्रधानमंत्री मोदी की 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह लगातार छह साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में सरकार की कई उल्लेखनीय उपलब्धियां रही हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान शामिल हैं।

बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा:

आप जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे संसद की गरिमा को गिरा रहे हैं तथा देश की जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल बाधित होने पर यह टिप्पणी की।

बिरला ने यह भी कहा कि विपक्ष के सदस्य योजनाबद्ध तरीके से सदन में गतिरोध पैदा कर रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं हैं।

बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, तभी विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करने लगे। विपक्ष सदन में बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विशेष चर्चा की मांग कर रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा, आप सदन को नियोजित तरीके से बाधित करना चाहते हैं। मैंने प्रयास किया कि सदन चले। लेकिन कई बार आग्रह करने के बावजूद आप संसद की गरिमा और मर्यादा को गिरा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सदस्य होने के बावजूद आपका व्यवहार और आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

उनका कहना था कि सदस्यों के अपनी सीट पर बैठने के बाद ही सदन की कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

बिरला ने कहा, योजनाबद्ध तरीके से सदन स्थगित कराना लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

असंभव को संभव कर सकता है संकल्प : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में मंगलवार को स्टेशन रोड स्थित जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधना या सत्कार्यों के लिए हमारा शरीर कमजोर हो सकता है, लेकिन मन का संकल्प कभी कमजोर नहीं होना चाहिए। साधना की सिद्धि और कार्य की सफलता सिर्फ परिश्रम से नहीं, दृढ़ संकल्प से मिलती है। संकल्प में ऐसा बल होता है कि वह असंभव को संभव कर सकता है। भगवान महावीर स्वामी ने आगम शास्त्रों में और योगीश्वर श्रीकृष्ण ने गीता में संकल्प की दृढ़ता का मार्मिक वर्णन किया है। मनोवैज्ञानिकों का कथन है कि दुर्बल मनुष्य का दृढ़ संकल्प उसे सफलता दिला सकता है, जबकि बलवान मनुष्य का दुर्बल संकल्प उसे परास्त कर सकता है। जीवन में सही दिशा प्राप्त कर दृढ़ संकल्प पूर्वक हर व्यक्ति को अपनी कार्यसिद्धि के लिये आगे बढ़ना चाहिए।

जैनाचार्य ने कहा कि पर्वत और पत्थर की चट्टानें बहुत मझबूत होती हैं, फिर भी लोहा उन्हें चूर-चूर कर सकता है। इस्पात चाहे जितना दमदार होंडा, अग्नि की घनी ज्वालाएं उसे पिघला सकती हैं। आग कितनी भी विकराल हो, शीतल पानी की तेज बौछारें उसे बुझा सकती हैं। इस प्रकार पत्थर से अधिक शक्तिशाली होता है इस्पात, इस्पात से ज्यादा ताकतवर है अग्नि और अग्नि से अधिक शक्तिमान है पानी, लेकिन मनुष्य का दृढ़ संकल्प सर्वाधिक शक्तिशाली माना गया है। उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह सबको परास्त कर सकता है, चमत्कारों का सृजन कर सकता है। अगर मनुष्य की शक्ति पक्के संकल्प के साथ सही दिशा में लग जाती है तो दुनिया का नजारा बदल सकता है। दुर्भाग्य है जमाने का कि ज्यादातर लोगों की शक्ति और सामर्थ्य बुरे विचारों और गलत कार्यों में लग रहे हैं। सामर्थ्य का सदुपयोग ही धर्म है। गणि पद्मविमलसागरजी ने साधकों को समय की महत्ता, साधना की आवश्यकता, मन की दृढ़ता और विचारों की पवित्रता के बारे में रोचक मार्गदर्शन दिया। कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि यहां तीन सौ पचास साधकों की तपस्या निर्विघ्न रूप से चल रही है। सचिव हरीश गादिया ने जानकारी दी कि दस व ग्यारह अगस्त को यहां तपस्या का दो दिवसीय पारणा उत्सव आयोजित होगा।

इंद्रियों का असंयम जीवन में पतन का मार्ग है : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा आत्म साधना के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए प्रमाद सबसे बड़ा शत्रु है। प्रमादी व्यक्ति जीवन में धर्म साधना नहीं कर सकता। प्रमाद में व्यक्ति अपना अमूल्य समय गंवा देता है। प्रमाद के पांच भेद हैं, इनमें मद्य, विषय, कषाय, निद्रा व विकया शामिल है। उन्होंने कहा कि मद्य, शराब आदि का व्यसनी व्यक्ति अच्छी तरह से धर्म साधना नहीं कर सकता। नशे वाला व्यक्ति जिनवाणी नहीं सुन सकता। पांच इंद्रियों के विषय में शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श के प्रति जो आसक्त है वह धर्माराधना नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इंद्रियों का असंयम पतन का मार्ग है। इनके संयम से उत्थान संभव है। इंद्रियों की पराधीनता हमें धर्म श्रवण व धर्म आचरण से वंचित रख सकती है। कषाय, क्रोध, मान, माया व लोभ के रूप में आत्म धन को लूटते हैं।

स्वतंत्र रूप से भी धर्म श्रवण व आचरण में बाधक हैं। निंद्रा हमारे अमूल्य समय को खा जाती है। यद्यपि दर्शनावरणीय कर्म के उदय के कारण नींद आती है फिर भी कर्म व पुरुषार्थ के जरिए उसे कम किया जा सकता है। किसी ने ठीक ही कहा है कि आहार व निंद्रा बढ़ाने से बढ़ते हैं और घटाने से घटते हैं। जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने बताया कि गोड़वाड़ भवन के प्रमुख कुमारपाल सिसोदिया ने आचार्य व साध्वियों के दर्शन किए। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति : वित्त वर्ष 23, 24 में 705 करोड़ का आयकर जमा किया गया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 में वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) से हुई आय पर कुल 705 करोड़ रुपए का आयकर जमा किया गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त, आयकर विभाग की तलाशी और सर्वेक्षण अभियानों के दौरान वीडीए लेनदेन से संबंधित 630 करोड़ रुपए की अघोषित आय का भी पता चला।

चौधरी ने बताया कि सीबीडीटी ने हाल ही में 'एनयूडीजीई' (नॉन इन्ट्रूसिव यूज़ेज ऑफ डेटा टू गाइड एंड इनेबल) अभियान शुरू किया है, जिसके तहत ऐसे 44,057 करदाताओं को ईमेल और संदेश भेजे गए हैं, जिन्होंने वीडीए में निवेश और ट्रेडिंग की लेकिन आयकर रिटर्न के दौरान इसका कोई विवरण नहीं दिया। आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत वीडीए से होने वाली आय पर कर 2022-23 वित्तीय वर्ष से लागू है। चौधरी ने बताया कि वीडीए लेनदेन की सही रिपोर्टिंग और कर संग्रह सुनिश्चित करने के लिए सीबीडीटी विभिन्न पहल कर रहा है। इसके तहत ''वर्चुअल संपत्ति सेवा प्रदाता'' (वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स) द्वारा दाखिल टीडीएस रिटर्न और करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर की जांच की जाती है।

केंद्र ने सीआईएसएफ में कर्मियों की स्वीकृत संख्या बढ़ाकर 2.20 लाख की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या में 20,000 की वृद्धि की है, ताकि उन्हें विमानन और बंदरगाह जैसे उभरते क्षेत्रों के अलावा नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में मार्च 2026 के बाद स्थापित किए जाने वाले औद्योगिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए तैनात किया जा सके। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 1969 में गठित सीआईएसएफ में कर्मियों की वास्तविक संख्या 2024 तक 1,62,000 थी। 2024 में सीआईएसएफ में कुल 13,230 कर्मियों की नियुक्ति की गई और 2025 के अंत तक और 24,098 कर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में एक पत्र लिखकर बल की अधिकृत सीमा को मौजूदा दो लाख कर्मियों से बढ़ाकर 2.20 लाख करने की अधिसूचना जारी की है। 2.20 लाख कर्मियों की स्वीकृत संख्या पर पहुंचने तक सीआईएसएफ में हर साल 14,000 कर्मियों की नियुक्ति किए जाने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, इस वृद्धि से हवाई अड्डों, बंदरगाहों, ताप विद्युत संयंत्रों, परमाणु प्रतिष्ठानों, पनबिजली संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सीआईएसएफ की तैनाती बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई मानवशक्ति का इस्तेमाल खास तौर पर नए औद्योगिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा, जिन्हें मार्च 2026 तक देश से वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की केंद्र सरकार की घोषणा के मद्देनजर नक्सली हिंसा से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए जाने की संभावना है।

श्रवण दही है और आचरण नवनीत है : संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि सुनना भी एक कला है। हमारी साधना तभी सफल होगी जब हम गुरु, ज्ञानी, भगवंत से जिनवाणी श्रवण करके उसे अपने जीवन में उतारें। आचरण के बिना श्रवण निष्फल हो जाता है। श्रवण दही है और आचरण नवनीत है। श्रवण का सार आचरण है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि ज्ञानी होने का सार यही है कि वह किसी जीव की हिंसा न करे। श्रवण का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार है सम्यक आचरण। उन्होंने आगे कहा कि धर्म कथा सुनना और सुनाना भी एक प्रकार का स्वाध्याय तप है। जो गुरु वाणी, शिक्षा को सुनकर अपने जीवन में नहीं उतारते हैं। उनके लिए वह श्रवण किया हुआ ज्ञान केवल भार रूप ही है।

गुरु अमर संयम अमृत वर्ष समापन समारोह 5 अक्टूबर को

संघ के अध्यक्ष राजेश मेहता ने बताया कि बेंगलूरु में विराजित समस्त साधु-साध्वियों की निश्रा में 5 अक्टूबर को वसंतनगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार में गुजराती संघ, गांधीनगर के तत्वावधान में श्रुताचार्य गुरुदेव श्री अमरमुनिजी के संयम अमृत महोत्सव समापन समारोह के विराट आयोजन के साथ श्रमण संघीय प्रथम आचार्य आत्मारामजी, प्रवर्तकश्री शुक्लचंद्रजी का जन्म महोत्सव, राष्ट्रसंत उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदमचंद्र जी का पुण्य रजत जयंती महोत्सव, श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य डॉ. शिवमुनिजी का आचार्य पद चादर समर्पण रजत जयंती महोत्सव, युवाचार्यश्री महेंद्रऋषि जी का जन्मोत्सव, प्रवर्तकश्री पंकजमुनि जी का षष्ठीपूर्ति महोत्सव एवं डॉ. वरुणमुनिजी का संयम रजत जयंती महोत्सव, तप, त्याग,स्वाध्याय और सामायिक के साथ मनाया जाएगा। इस प्रसंग पर साधर्मी सेवा, श्रुत संवर्धन, विद्वत सम्मान, शाकाहार एवं नशामुक्ति जैसे अनेक सेवा प्रकल्पों के साथ अनेक आयोजन किए जाएंगे। 2 अक्टूबर को वरुणमुनिजी की प्रेरणा से पूरे भारतवर्ष में 75000 राशन किट का वितरण ऑल इंडिया महिला जैन कॉन्फ्रेंस की ओर से किया जाएगा।

दान देने वाला व्यक्ति भी लोकप्रिय बन सकता है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने कहा कि जो व्यक्ति दान देता है वह भी लोकप्रिय बनता है। दान देने के बाद में सुकृत में संपत्ति गई उसका आनंद हो, ऐसा भाव हो और देने के बाद अनुमोदना शुरू हो तो वह दान भी धर्म कहलाता है। साध्वीजी ने संपत्ति दान, समय दान और स्मित दान का वर्णन किया। संपत्ति दान में अलग-अलग व्यक्तियों के दान में फर्क हो सकता है। अपनी शक्ति अनुसार कोई संपत्ति का कम व ज्यादा दान कर सकता है। समय दान अर्थात सबके पास में एक समान 24 घण्टे का समय होता है, किसी को कम ज्यादा नहीं। संपत्ति का दान करने वाले मिल जाएंगे लेकिन समय का दान करने वाले, समय देने वाले व्यक्ति बहुत कम मिलते हैं । साध्वीश्री ने स्मित दान के बारे में बताते हुए कहा कि हर कार्य करने के समय में हंसता हुआ चेहरा रखना, दूसरों को प्रोत्साहन देना भी एक प्रकार से दान है।

कर्मों के बंध का मुख्य कारण मनुष्य की अनियंत्रित इच्छा है : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में पुण्य और पाप की चर्चा होती रहती है। जीवन में पुण्य कम है लेकिन पाप ज्यादा है। पुण्य बहुत मुश्किल से होता है। लेकिन पाप हर वक्त होता रहता है। इच्छाओं की वजह से ही मनुष्य पाप करता है। मनुष्य का इच्छाओं पर काबू नहीं है। जब तक इच्छाओं पर काबू नहीं होगा तब तक पाप के मार्ग से बचा नहीं जा सकता है। मनुष्य की कमाई बहुत सीमित है लेकिन खर्चा अधिक है। खर्चा कम होने पर मनुष्य पाप के मार्ग पर जाने से बच सकता है। लेकिन वैसा नहीं हो रहा है। अब उस खर्चे को संभालने के लिए मनुष्य तरह तरह के गलत रास्ते अपना रहा है। मनुष्य पाप करता है तो उसको लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन याद रखना पाप करते हुए मनुष्य अपने कर्मों का ही बंध कर रहा है। जब तक कर्मों का बंध नहीं रुकेगा तब तक जीवन में उजाला नहीं होगा। कर्मों के बंध का मुख्य कारण मनुष्य की अनियंत्रित इच्छा है। बंध कर्मों की गठरी लेकर मनुष्य संसार में जीता जा रहा है। इस गठरी को लेकर मनुष्य जीवन में कभी सुखी नहीं रह सकता है। गठरी जितनी हल्की होगी उतना ही आत्मा का कल्याण संभव हो पाएगा। इस मौके पर इंदिरानगर निवासी उगमराज फुलफगर की पुत्रवधू सरोजाबाई सज्जनराज ने 28 उपवास के पच्चखान ग्रहण किए एवं उनके पुत्र प्रफुल्लकुमार ने 19 उपवास के पच्चखान ग्रहण किए। संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

तरनतारन फर्जी मुठभेड़ के पीड़ितों के परिवारों को 32 साल बाद न्याय मिला

चंडीगढ़/भाषा। तरनतारन में वर्ष 1993 में हुए एक फर्जी मुठभेड़ में मारे गए सात पुलिस अधिकारियों में निशान सिंह के पिता भी थे। निशान सिंह का जन्म पिता की हत्या के दो महीने बाद हुआ था।

निशांत अब 32 वर्ष के हो गए हैं और वह याद करते हैं कि कैसे उनकी मां ने कानूनी लड़ाई में वर्षों तक कष्ट सहे और न्याय पाने में तीन दशक लग गए। निशान ने बताया कि उनके विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) पिता शिंदर सिंह की तरनतारन जिले में हत्या के बाद उनकी मां नरिंदर कौर ने उन्हें पालने के लिए बर्तन धोए और खेतिहर मजदूर के रूप में काम किया।

परिवार अब मोहाली की सीबीआई अदालत के फैसले से संतुष्ट है, जिसने सोमवार को तरनतारन जिले में 1993 में सात लोगों की फर्जी मुठभेड़ में हुई हत्या के मामले में पांच पूर्व पुलिस अधिकारियों को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश बलजिंदर सिंह सरा की अदालत ने एक अगस्त को उन्हें भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, हत्या और सबूत नष्ट करने का दोषी पाया था।

पांच अगस्त पूरे देश के लिए 'काला दिन': महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि पांच अगस्त पूरे देश के लिए एक काला दिन है और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त किया जाना देश के संवैधानिक मूल्यों पर एक व्यापक हमले की शुरुआत थी।

पीडीपी ने यह भी दावा किया कि पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को एकपक्षीय और असंवैधानिक तरीके से निरस्त किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से पार्टी की अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को पीडीपी कार्यालय से बाहर निकलने से रोका गया। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पांच अगस्त न केवल जम्मू कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक काला दिन है। इस दिन, संविधान को विदेशी ताकतों ने नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र के केंद्र में क्रूर बहुमत द्वारा विकृत किया गया था। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को असंवैधानिक तरीके से समाप्त किया जाना अंत नहीं था, बल्कि यह देश के संवैधानिक मूल्यों पर व्यापक हमले की शुरुआत थी। उन्होंने आरोप लगाया, जम्मू कश्मीर को एक प्रयोगशाला में बदल दिया गया, इसके लोगों को अधिकारहीन बना दिया गया, उनकी जमीनें छीन ली गईं, उनकी जनसांख्यिकी को निशाना बनाया गया। जिसे कई लोग स्थानीय मुद्दा मानते थे, वह सभी के लिए एक चेतावनी थी। उन्होंने कहा, आज यह चेतावनी पूरे देश में साकार हो रही है।

बिहार में (एसआईआर) लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। तमिलनाडु से लेकर कश्मीर तक गैर-स्थानीय मतदाताओं को बड़े पैमाने पर जोड़ा जा रहा है, जिससे जनसांख्यिकीय फेरबदल और चुनावी विकृतियों का रास्ता साफ हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत अब नहीं जागा, तो जम्मू-कश्मीर में जो शुरू हुआ था, वह जल्द ही पूरे देश को प्रतिबंबित करेगा।

भरोसेमंद बिजली के लिए ऊर्जा भंडारण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाए : मनोहर लाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विद्युत मंत्रालय की मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय परामर्श समिति की बैठक में उन्होंने यह बात कही।

बैठक में लाल ने कहा कि भारत 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक स्वच्छ ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से 50 प्रतिशत स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिये उपलब्ध अतिरिक्त ऊर्जा के भंडारण से उसका उपयोग दिन के अलावा अन्य समय पर हो सकेगा।

इस वर्ष अब तक विमान के इंजन बंद होने की कुल छह घटनाओं की खबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को बताया कि इस वर्ष अब तक विमान के इंजन बंद होने की कुल छह घटनाएं और 'मे डे कॉल' की तीन घटनाएं दर्ज की गई हैं।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी सूचित किया इंडिगो और स्पाइसजेट के विमानों में इंजन बंद होने की दो-दो घटनाएं हुईं, जबकि एअर इंडिया और एलायंस एयर में से प्रत्येक के साथ एक-एक ऐसी घटना दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि 'मे डे कॉल' की तीन घटनाओं में शामिल एक घटना 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की लंदन गैटविक जा रही उड़ान एआई-171 की है। इसके अलावा, इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों के साथ भी 'मे डे कॉल' की एक-एक घटना हुई।

'मे डे कॉल' के संदर्भ में मोहोल ने बताया कि यह कॉल पायलट द्वारा तीन बार दोहराई जाती है, ताकि जमीनी हवाई यातायात नियंत्रक को यह स्पष्ट रूप से सूचित किया जा सके कि विमान एक जानलेवा आपात स्थिति में है और तत्काल मदद की आवश्यकता है। उन्होंने बताया जनवरी से जुलाई, 2025 तक इंजन बंद होने की कुल छह घटनाएं और मे डे कॉल की तीन घटनाएं घटने की खबर है।

एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि 12 जुलाई को प्रकाशित विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में 12 जून को हुई एअर इंडिया की दुर्घटना को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है और जांच अब भी जारी है।

सरकार ने स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं जिनके तहत वित्तीय सहायता नीति, पर्यावरण-अनुकूल पहल और सुरक्षा उपायों में व्यापक संशोधन किए गए हैं।

पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने राज्यसभा को मंगलवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए नीतिगत कदमों के तहत 9 जनवरी, 2025 को जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति (एसबीएफएपी) के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया ताकि जहाज निर्माण गतिविधियों में अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिल सके।

सोनोवाल ने बताया कि इसके अलावा, नवंबर 2021 में सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों द्वारा 'टग' की खरीद के लिए पांच प्रकार की मानक 'टग' डिज़ाइन जारी की थीं, जिन्हें भारतीय शिपयार्ड में ही निर्मित करना है।

स्वदेशी जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 20 सितंबर, 2023 को 'राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूज़ल' (आरओएफआर) के नियमों को संशोधित किया गया, जिसमें भारत में निर्मित, भारतीय ध्वजयुक्त और भारतीय स्वामित्व वाले जहाजों को प्राथमिकता दी जाती है।

कबूतरखानों को अचानक बंद करना उचित नहीं: मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शहर में कबूतरखानों को अचानक बंद करना उचित नहीं है और उन्होंने बृहन्मुंबई नगर निगम से पक्षियों को नियंत्रित तरीके से दाना दिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री का यह बयान स्वास्थ्य संबंधी खतरों को देखते हुए मुंबई में पारंपरिक कबूतरखानों को बंद करने की बढ़ती मांग के बीच आया है।

मुंबई में कबूतरखानों के मुद्दे पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए फडणवीस ने पक्षी जीवन की रक्षा, पर्यावरण की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के महत्व का हवाला देते हुए सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि कबूतरों को दाना डालने वाले क्षेत्रों के संबंध में लिए गए किसी भी निर्णय के साथ पक्षियों की भुखमरी को रोकने के लिए वैकल्पिक और सहानुभूतिपूर्ण समाधान भी शामिल किए जाने चाहिए। बीएमसी ने कहा कि उसने 13 जुलाई से तीन अगस्त के बीच शहर भर के विभिन्न कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालने वाले 142 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और 68,700 रु. का जुर्माना वसूला है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक बयान में कहा, कबूतरों की जान बचाना, पर्यावरण की रक्षा करना व नागरिकों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना-ये तीनों महत्वपूर्ण हैं। जब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक बीएमसी को कबूतरों को दाने की आपूर्ति करना जारी रखना होगा। उन्होंने एक औपचारिक नीति बनाए जाने के निर्देश दिए जिसमें यह निर्दिष्ट किया जाए कि स्वास्थ्य संबंधी खतरों से बचने के लिए कब और कहां कबूतरों को नियमित दाना दिया जा सकता है।

कर्नाटक में परिवहन कर्मचारियों की हड़ताल से बस सेवाएं प्रभावित, यात्री हलकान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में राज्य सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के कर्मचारियों ने मंगलवार सुबह अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी, जिससे पूखऊेराज्य में सार्वजनिक बस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।अदालत द्वारा हड़ताल पर अंतरिम रोक लगाए जाने के बावजूद कर्मचारी संघों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने का फैसला किया।कर्नाटक उच्च न्यायालय और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कर्मचारी संघों से अपना प्रदर्शन वापस लेने की अपील की है, लेकिन वे इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें 38 महीने का बकाया भुगतान किया जाए और एक जनवरी, 2024 से वेतन वृद्धि लागू की जाए। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के कर्मचारियों द्वारा आहूत हड़ताल के कारण यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि बेंगलूरु में इसका ज्यादा असर देखने को नहीं मिला।

सुबह-सुबह बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की पर्याप्त बसें उपलब्ध न होने के भ्रम के कारण लोगों ने मेट्रो सेवाओं का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप मेट्रो में सामान्य से ज़्यादा भीड़भाड़ रही। निजी वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण भी यातायात जाम की स्थिति बनी रही। जब लोगों को पता चला कि बीएमटीसी की बसों का संचालन हो रहा है तो सुबह नौ बजे तक स्थिति सामान्य हो गई। बीएमटीसी अधिकारियों ने दावा किया कि वे लगभग 100 प्रतिशत क्षमता के साथ काम कर रहे हैं, ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। बीएमटीसी के सुरक्षा एवं सतर्कता निदेशक अब्दुल अहद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पूर्वाह्न 10 बजे तक हमारे आंकड़ों के अनुसार, बेंगलूरु के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के 49 डिपो से चलने वाली सामान्यतः 3,303 बसों में से 3,283 बसें सेवा में थीं। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे के लिए संचालित बस सेवाओं पर हड़ताल का कोई असर नहीं हुआ।

हालांकि बेंगलूरु से कर्नाटक के अन्य हिस्सों में जाने वालीं केएसआरटीसी की बसों की सेवाएं सीमित हैं। कुछ बसें डिपो पर खड़ी रहीं जबकि कुछ कर्मचारियों ने हड़ताल में शामिल न होने का फैसला किया है जिसकी वजह से कुछ बस सड़कों पर नजर आईं। परिवहन विभाग के सूत्रों ने बताया कि कुछ चालकों ने फैसला किया कि वे विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचाएंगे, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ बसों का परिचालन हो रहा है।

बस सेवाओं में व्यवधान के कारण स्कूलों, कॉलेजों और कार्यालयों में लोगों की उपस्थिति कम रही। ऐसा बताया जा रहा है कि परिवहन निगमों ने स्थिति को संभालने के लिए प्रशिक्षु बस चालकों की सेवाएं ली हैं। इसके अलावा, निजी बसों को भी सरकारी बस अड्डों से जाने की अनुमति दी गई है। राज्य के बेंगलूरु, चिक्कमगलुरु, रायचूर, चित्रदुर्ग, हुबली, धारवाड़, बेलगावी, मंगलुरु, मैसुरु, तुमकुरु, हासन, मदिकेरी, शिवमोगा और कलबुर्गी जैसे प्रमुख शहरों में बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ नजर आई। हजारों लोग रास्ते में फंसे हुए थे। उन्हें अपने गंतव्यों तक पहुंचने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।सीमित संख्या में बसों का संचालन होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। परिवहन निगमों के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण निजी बस संचालक और कैब चालक कथित तौर पर अत्यधिक किराया वसूल रहे हैं। कुछ यात्रियों ने शिकायत की कि बेंगलूरु में ऑटोरिक्शा चालक बहुत अधिक किराया मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के बीच सोमवार को हुई अंतिम दौर की बैठक में कोई निर्णायक नतीजा न निकल पाने पर कर्मचारियों ने हड़ताल करने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने परिवहन कर्मचारियों से अपना अड़ियल रुख छोड़कर अपनी ड्यूटी पर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उनकी मांगों को अन्यायपूर्ण नहीं बताया है लेकिन परिवहन संघ को सरकार की बात भी समझनी चाहिए।

शिवकुमार ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी उनकी मदद करना चाहते हैं। अब उन्हें स्थिति समझनी चाहिए। हमें नागरिकों का ध्यान रखना होगा। उन्हें उन चीज़ों के लिए जिद नहीं करनी चाहिए जो संभव नहीं हैं। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा कि हड़ताल शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। उन्होंने कहा, किसी भी (अप्रिय) घटना की कोई सूचना नहीं है... कुछ छोटी-मोटी घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन कोई बड़ी घटना नहीं हुई है।

पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए उचित व्यवस्था की है। इसी बीच, कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बस सेवाएं प्रभावित होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर निशाना साधा और उनसे गहरी नींद से जगने तथा इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कहा, जिससे लोगों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

कर्नाटक में मुख्य विपक्षी दल ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर भी सवाल उठाए और पूछा कि सरकार कर्मचारियों की कानूनी मांगों को पूरा करने में क्यों असमर्थ है। भाजपा ने कहा सरकार यह भी सुनिश्चित नहीं कर पा रही है कि कर्मचारी काम पर वापस आ जाएं। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा, सरकार और मुख्यमंत्री को तुरंत गहरी नींद से बाहर आना चाहिए और अपनी सुस्ती छोड़कर उन्हें (कर्मचारियों को) बुलाकर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए। अगर यह आपके लिए संभव नहीं है तो पद छोड़ दीजिए और घर चले जाइए। क्या आपको समझ नहीं आ रहा है कि लोग परेशानी का सामना कर रहे हैं, आप क्या कर रहे हैं?

धर्मस्थल मामले की जांच कर रही एसआईटी को एक और मामला सौंपा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु में धर्मस्थल नामक गांव में कथित तौर पर सामूहिक रूप से लोगों को दफनाने से संबंधित मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को मंगलवार को एक लड़की के शव से जुड़ा एक और मामला सौंपा गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया और उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ही लड़की के शव को धर्मस्थल गांव में दफना दिया गया। रिपोर्ट जमा होने के बाद, यह मामला अब एसआईटी के अधिकार क्षेत्र में आ गया है, जो आगे की सभी मामलों की जांच करेगी। एसआईटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिसमें दोनों शिकायतकर्ताओं द्वारा बताए गए स्थानों की जांच भी शामिल है।

दूसरे शिकायतकर्ता, जयंत टी. ने पहले कहा था कि उन्होंने एक लड़की को अवैध रूप से दफनाते हुए देखा था।

शुरुआत में, वह जानकारी साझा करने के लिए बेलथांगडी में स्थित एसआईटी कार्यालय पहुंचा। फिर उसे धर्मस्थल थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया गया। शिकायत आधिकारिक तौर पर अपराध संख्या 200/डीपीएस/2025 के तहत दर्ज की गई। पहले शिकायतकर्ता व पूर्व सफाईकर्मी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। इस शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में कार्यरत था। उसने आरोप लगाया कि उसे कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। शिकायतकर्ता ने कहा कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। शिकायतकर्ता ने इन दावों के संबंध में मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया है। सूत्रों ने बताया कि टीम धर्मस्थल गांव में संदिग्ध कब्रगाहों समेत विभिन्न जगहों निरीक्षण करके साक्ष्य एकत्र कर रही है।

चेन्नई में सात साल की बच्ची पर पिटबुल ने अचानक किया हमला, जख्मी

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के टोंडियारपेट इलाके में एक पिटबुल (कुत्ते की प्रजाति) के अचानक हमला करने से सात साल की बच्ची घायल हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के चेहरे और ठोड़ी पर चोट लगी है और उसे यहां रस्टेनली राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बच्ची की हालत स्थिर है और चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि हिंसक हुए पालतू कुत्ते को पकड़ लिया गया है और उसे चेन्नई नगर निगम के पशु आश्रय में भेज दिया गया है। घटना रविवार को हुई जब बच्ची टोंडियारपेट स्थित अपने घर की पहली मंजिल से बाहर निकली, तभी मकान मालकिन के कुत्ते ने उसका चेहरा दबोच लिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का सख्त रुख, कर्मचारी संघों ने हड़ताल सात अगस्त तक स्थगित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश के बावजूद परिवहन हड़ताल करने के लिए मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई और अवमानना कार्यवाही की चेतावनी दी, जिसके बाद केएसआरटीसी स्टाफ एंड वर्कर्स फेडरेशन ने आंदोलन 7 अगस्त तक स्थगित करने की घोषणा की, जब मामले की अगली सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी एम जोशी की खंडपीठ ने आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू होने और आंदोलन के साथ आगे नहीं बढ़ने के अदालत के निर्देश के बावजूद हड़ताल जारी रहने पर कड़ी नाराजगी जतायी। पीठ ने चेतावनी दी कि हड़ताल जारी रखने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कर्मचारी संघ के नेताओं के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

अदालत ने हड़ताल पर रोक लगाने संबंधी अपने पहले के अंतरिम आदेश को दो दिन के लिए बढ़ा दिया तथा कर्मचारी संघों को बुधवार को एक हलफनामा प्रस्तुत करके हड़ताल वापस लेने की पुष्टि करने का निर्देश दिया। केएसआरटीसी स्टाफ एंड वर्कर्स फेडरेशन' के अध्यक्ष एच वी अनंत सुब्बाराव ने बेंगलूरु में संवाददाताओं को बताया कि आंदोलन 7 अगस्त तक स्थगित कर दिया गया है और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से काम पर लौटने का निर्देश दिया गया है। सुनवायी के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि हड़ताल के कारण जनता को काफी कठिनाई हुई है। सुलह के प्रयासों के संबंध में पीठ द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में, सरकार के साथ पिछले दौर की बातचीत का विवरण प्रस्तुत किया गया।

अदालत ने कहा कि यदि कोई समस्या है तो उसे सरकार के साथ बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि एस्मा लागू होने के बाद भी हड़ताल करना गैरकानूनी है। अदालत ने चारों राज्य परिवहन निगमों के कर्मचारी संघों को नोटिस भी जारी किया। संयुक्त कार्रवाई समिति के वकील ने अदालत को आश्वासन दिया कि बुधवार को हड़ताल जारी नहीं रहेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर हड़ताल फिर से शुरू होती है, तो सरकार एस्मा के तहत उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

कांग्रेस ने केरल में मतदाता सूची में नाम शामिल करने की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। पार्टी ने बताया कि 23 जुलाई को मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद, नए नाम जोड़ने के लिए केवल 15 दिन का समय दिया गया। यह अवधि सात अगस्त को खत्म हो रही है।

विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग को एक पत्र भेजा है, जिसका विवरण मंगलवार को उनके कार्यालय द्वारा मीडिया के साथ साझा किया गया। अपने पत्र में सतीशन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नाम जोड़ने और सही करने के साथ-साथ एक वार्ड से दूसरे वार्ड में नाम स्थानांतरित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया में कई क्षेत्रों में तकनीकी गड़बड़ियां आ रही हैं। पत्र में कहा गया है, जैसे-जैसे पंजीकरण की अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, तकनीकी गड़बड़ियां और भी बदतर होती जा रही हैं। वेबसाइट के बार-बार हैंग होने की शिकायतें आम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन तकनीकी समस्याओं के कारण कई लोग पंजीकरण नहीं करा पाए हैं और पिछली मतदाता सूची के कई नाम वर्तमान मतदाता सूची से छूट गए हैं।

इन चिंताओं को देखते हुए, सतीशन ने अनुरोध किया कि मतदाता पंजीकरण की समय सीमा को 15 दिन और बढ़ाया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी पात्र मतदाता इसमें शामिल हों। स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

केरल के सरकारी स्कूलों में 'बैकबेंच' की व्यवस्था समाप्त होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सरकारी स्कूलों में अब पीछे की पंक्ति में बैठने वाले 'बैकबेंचर्स' की व्यवस्था जल्द ही समाप्त हो जाएगी। राज्य सरकार ने इस व्यवस्था से छात्रों पर पड़ रहे बुरे असर की आशंका के बीच पारंपरिक पंक्ति-वार बैठने की व्यवस्था को खत्म करने का कदम उठाया है।

सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कहा कि सरकार स्कूल की कक्षाओं से 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को खत्म करना चाहेगी।

'फेसबुक' पर इस बड़े फैसले की घोषणा करते हुए मंत्री ने कहा, हमारी शिक्षा प्रणाली के लिए सबसे बेहतर मॉडल का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। हम पैनल के सुझावों पर विचार करते हुए आगे बढ़ेंगे।

शिवनकुट्टी ने कहा कि 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा से छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को पढ़ाई या जीवन में पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि कई देश 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को खत्म करने के लिए अलग-अलग मॉडल अपना रहे हैं और उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने में सभी का सहयोग मांगा। 'बैकबेंचर्स' की अवधारणा को समाप्त करना केरल में कुछ समय से चर्चा का विषय रहा है। हाल ही में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' में भी इस विचार को साझा किया गया है।

विनेश विश्वनाथन निर्देशित इस फिल्म में एक स्कूली छात्र कक्षा में पीछे बैठने के कारण अपमानित होने के बाद बैठने की पारंपरिक व्यवस्था में बदलाव का प्रस्ताव रखता है। फिल्म से प्रेरणा लेते हुए, दक्षिणी राज्य के कुछ स्कूलों ने पहले ही यू-आकार की बैठने की व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक छात्र को समान ध्यान और प्रमुखता मिले।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने असुरक्षित स्कूल, अस्पताल भवनों पर रिपोर्ट मांगी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उन सभी स्कूल और अस्पताल भवनों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनकी मरम्मत या उन्हें ध्वस्त किए जाने की आवश्यकता है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के भवनों के सुरक्षा निरीक्षण के भी आदेश दिए। ये निर्देश पिछले महीने हुई कई घटनाओं के बाद जारी किए गए हैं, जिनमें कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के शौचालय परिसर का एक हिस्सा ढहने से 52 वर्षीय महिला की मौत और कोल्लम जिले के एक सहायता प्राप्त स्कूल में 13 वर्षीय छात्र की बिजली का करंट लगने से मौत शामिल है। इसके अलावा, अलप्पुझा जिले के कार्तिकप्पल्ली स्थित एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत का एक हिस्सा ढह गया। घटना रविवार को हुई थी, इसलिए किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बैठक में मंत्री के. राजन, के. एन. बालगोपाल, वी. शिवनकुट्टी, पी. ए. मोहम्मद रियास और वीना जॉर्ज के साथ-साथ मुख्य सचिव जयतिलक और जिलाधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मरम्मत और ध्वस्तीकरण की आवश्यकता वाली इमारतों का विवरण अलग-अलग प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि तोड़फोड़ छुट्टियों के दिनों में की जानी चाहिए और नई इमारतों के निर्माण तक स्थानीय निकाय, अभिभावक-शिक्षक संघ और शिक्षा विभाग कक्षाओं के संचालन की वैकल्पिक व्यवस्था करें। विजयन ने असुरक्षित मानी जाने वाली सार्वजनिक इमारतों का विवरण दर्ज करने के लिए एक सॉफ्टवेयर मंच विकसित करने की भी घोषणा की। उन्होंने विद्युत सुरक्षा के लिए एक निरीक्षण तंत्र स्थापित करने का भी आह्वान किया।

न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए कोटा पर निर्णय लेने का निर्देश दिया

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए आरक्षण पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है, ताकि उन्हें सार्वजनिक रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की मांग करते हुए हर बार अदालत का दरवाजा खटखटाना न पड़े।

न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने एन सुषमा और यू सेम्मा अग्रवाल द्वारा दायर याचिका पर सोमवार को अंतरिम आदेश पारित करते हुए यह निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर के लिए निर्धारित की। न्यायाधीश ने राज्य सरकार द्वारा ट्रांसजेंडर लोगों के लिए तमिलनाडु राज्य नीति 2025 जारी करने की सराहना की, जो 31 जुलाई, 2025 से प्रभावी हुई।

केरल में भारी बारिश के बाद नदियां उफान पर, चार जिलों में 'रेड अलर्ट' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में सोमवार एवं मंगलवार की दरमियानी रात हुई भारी बारिश के कारण सड़कों और निचले इलाकों में व्यापक जलभराव हो गया, जिससे कई जिलों में नदियां और बांध उफान पर आ गए। मौसम विभाग ने चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए बेहद भारी बारिश की चेतावनी दी है। एर्णाकुलम, त्रिशूर और पलक्कड़ के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के कारण सड़कों और घरों में पानी भर गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तीव्र मौसम के लिए दक्षिणी केरल में चक्रवाती परिसंचरण और बंगाल की खाड़ी से तमिलनाडु तट तक फैली ऊपरी स्तर की प्रणालियों को जिम्मेदार ठहराया है। परिणामस्वरूप, राज्य में अगले कुछ दिनों में भारी वर्षा और तेज हवाएं चलने की संभावना है। एर्णाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर और मलप्पुरम जिलों के लिए 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया।

आईएमडी ने तीन अतिरिक्त जिलों में चेतावनी के स्तर को 'येलो' से बढ़ाकर 'ऑरेंज' कर दिया है, जिससे ऑरेंज अलर्ट (11-20 सेमी बारिश) वाले जिलों की कुल संख्या आठ हो गई है। शेष दो जिले 'येलो' अलर्ट (6-11 सेमी बारिश) के अंतर्गत हैं। पथनमथिट्टा, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़ और वायनाड में बिजली उत्पादन और सिंचाई के लिए उपयोग किए जाने वाले कई बांध वर्तमान में बढ़ते जल स्तर के कारण 'अलर्ट के तीसरे चरण' पर हैं। कोच्चि में एक निजी टैक्सी भारी बारिश के कारण जलमग्न सड़क से सटी एक खुली नहर में गिर गई। पुलिस ने बताया कि नेविगेशन ऐप इस्तेमाल कर रहा चालक नहर को देख नहीं पाया, क्योंकि सड़क पूरी तरह से पानी से भरी हुई थी। इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने मंगलवार रात 8:30 बजे तक तिरुवनंतपुरम और कोल्लम तटों पर 1.7 से 1.8 मीटर ऊंची समुद्री लहरें उठने की चेतावनी जारी की है। मछुआरों और तटीय निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है।

प्रियंका गांधी ने केरल सरकार से वायनाड के लिए और अधिक ग्रामीण सड़कें आवंटित करने का आग्रह किया

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल सरकार से वायनाड जिले में और अधिक ग्रामीण सड़कें आवंटित करने का अनुरोध किया है। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस पहाड़ी जिले में जनजातीय आबादी के उच्च घनत्व जैसी विशिष्ट परिस्थितियों के मद्देनजर उन्होंने यह अनुरोध किया है।

पार्टी ने एक बयान में कहा कि वायनाड से सांसद प्रियंका ने केरल राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी (केएसआरआरडीए) से उन दिशानिर्देशों के मद्देनजर अतिरिक्त सड़कें आवंटित करने को कहा है, जिनमें कहा गया है कि उच्च जनजातीय घनत्व वाले ब्लॉक और क्षेत्रों में जनजातीय गांवों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मलयालम कवि थम्पी ने फिल्म वित्त पोषण विवाद पर अडूर गोपालकृष्णन का समर्थन किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वरिष्ठ मलयालम कवि, गीतकार और फिल्म निर्माता श्रीकुमारन थम्पी ने वंचित समुदायों के फिल्म निर्माताओं के लिए सरकारी वित्त पोषण पर प्रसिद्ध निर्देशक अडूर गोपालकृष्णन की टिप्पणियों को लेकर पैदा विवाद के बीच मंगलवार को उनका पुरजोर समर्थन किया।

गोपालकृष्णन का बचाव करते हुए थम्पी ने कहा कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता विश्व के महान फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उन्होंने उनकी (गोपालकृष्णन की) हालिया टिप्पणियों को लेकर की गई आलोचना पर सवाल उठाया।

थम्पी ने यहां पत्रकारों से कहा, उनके बयान में क्या गलत है? सरकार हाशिए पर मौजूद वर्गों के फिल्म निर्माताओं को बढ़ावा देने के लिए 1.5 करोड़ रुपए दे रही है, यह जनता का पैसा है।

थम्पी ने कहा कि इस बात में कुछ भी अनुचित नहीं है कि वित्त पोषण से पहले पात्रता का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा, हम यूं ही जनता का पैसा नहीं बांट सकते। इसमें क्या गलत है अगर कोई कहता है कि यह धन राशि फिल्म निर्माण का आवश्यक प्रशिक्षण देने के बाद ही दी जानी चाहिए? थम्पी ने यह भी स्पष्ट किया कि गोपालकृष्णन ने अपनी टिप्पणी में न तो महिलाओं को और न ही दलित फिल्म निर्माताओं को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, उन्होंने (गोपालकृष्णन ने) केवल इतना कहा कि जिन्हें सरकारी सहायता दी जा रही है, उन्हें सिनेमा की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कैमरा कोई खिलौना नहीं है।

अनुभवी फिल्म निर्देशक ने पार्श्वगायिका पुष्पावती की भी आलोचना की, जिन्होंने रविवार को एक सरकारी फिल्म समारोह के दौरान अडूर गोपालकृष्णन के भाषण के बीच में विरोध दर्ज कराया था। थम्पी ने कहा, भाषण के बीच में उन्हें टोकना गलत था। वह भाषण खत्म होने के बाद बोल सकती थीं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अडूर गोपालकृष्णन ने कहा कि केरल राज्य फिल्म विकास निगम की ओर से हाशिए के समुदायों के फिल्म निर्माताओं को 1.5 करोड़ रुपए की सहायता देने की योजना अपने अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाई है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/131/2025
दिनांक: 24.07.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
ईपीसी मोड पर	रु. 354,84,42,876

मारिकुप्पम - कुप्पम नई लाइन परियोजना (23.7 किमी) के तहत मिड सेक्शन (किमी. 5.72) और कुप्पम (सहित) (किमी. 23.869) के बीच नई ब्राड गेज लाइन का निर्माण और इसके साथ साथ सिविल व ट्रैक कार्यों, सिग्नल और दूरसंचार कार्य, रेलवे विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिकल जनरल सेवाएं। (निविदा संदर्भ सं.: MKM-KPN-EPC-02)
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 26.09.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी
PUB/351/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRAILWAYHQ sw_railways

जन-जन तक पहुंचे पर्यावरण संरक्षण का पिपलांत्री गांव का मॉडल : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल पिपलांत्री जैसा गांव हर तहसील में हो और जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का पिपलांत्री गांव का मॉडल पहुंचना चाहिए। बागड़े ने पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम-पिपलांत्री में आयोजित पर्यावरण महोत्सव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम-पिपलांत्री में आयोजित पर्यावरण महोत्सव-2025 में शिरकत की। जब वे यहां पहुंचे तब बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं अपनी नन्हीं बच्चियों के साथ मौजूद थी। राज्यपाल बागड़े ने बच्चियों का दुलार कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) के प्रयासों से आज यहां चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। यह 19 वर्षों में श्याम सुंदर पालीवाल, श्रीमती अनीता पालीवाल और यहाँ के ग्रामीणों के पर्यावरण के प्रति प्रेम, आत्मीयता, समर्पण का परिणाम है। यहां ग्रामीणों ने न सिर्फ पौधे लगाए बल्कि उन्हें जीवित भी रखा, उसी का परिणाम है कि चारों ओर वृक्ष ही वृक्ष दिखाई देते हैं। हर बेटी के जन्म पर 111 पौधे लगाना अपने आप में अनुपम उदाहरण है। बागड़े ने कहा कि प्रदेश की हर तहसील में पिपलांत्री जैसा गांव होना चाहिए, राजस्थान में भूमि की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो इच्छा शक्ति की। राज्यपाल ने अमृता देवी के नेतृत्व में वृक्षों को बचाने के लिए बिश्नोई समुदाय के बलिदान को भी याद कर उन्हें नमन किया। राज्यपाल ने समस्त ग्रामीणों से अपील कर कहा कि बेटियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई कमी नहीं रखें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निर्धनता से बाहर आने का सशक्त माध्यम है।

पिपलांत्री मॉडल के सूत्रधार पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) ने कहा कि पिपलांत्री में आज तक 14 से 15 लाख पौधे लगाए गए हैं, जिनमें एक लाख चंदन के वृक्ष शामिल है। एक समय था जब यहां भू-जल स्तर काफी कम था और पानी का भी संकट था लेकिन जल संरक्षण गतिविधियों से अब यह जल स्तर काफी ऊपर आ गया है और पानी की समस्या हमेशा के लिए दूर हो गई है। यह सब ग्रामीणों और भामाशाहों के सहयोग से ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ तालाब और कुए में लबालब पानी है, गांव में पलायन रुका है, गाँव में ही रोजगार मिला है, पिपलांत्री आज इको टूरिज़म के साथ-साथ कई नए अवसरों को बढ़ावा दे रहा है, डेयरी व्यवसाय भी फल-फूल रहा है। कार्यक्रम में नन्ही बच्चियों ने राज्यपाल की कलाई पर राखी बांधी। राज्यपाल ने पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सीताबाड़ी का स्वरूप बिगाड़ने से नाराज भाजपा नेता

बारां।राजस्थान में बारां जिले के किशनगंज-शाहबाद विधानसभा क्षेत्र के आदिम जाति सहरियाओं के लोक तीर्थ एवं श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र सीताबाड़ी के मिटाये गये पवित्र सूरज कुंड को पुरानी स्थिति में लाने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजा है। किशनगंज क्षेत्र के पूर्व विधायक हेमराज मीणा ने मंगलवार को कहा कि पवित्र धाम सीताबाड़ी के स्वरूप को निखारने के बजाय उसे उजाड़ने का काम पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया एवं पूर्व विधायक निर्मला सहरिया की सोची समझी चाल थी। उन्होंने बाल्मीकि की तपोभूमि के नाम से पहचान रखने वाले यहां के पवित्र कुंडों समेत वृक्षारोपण एवं यात्री सुविधाओं के लिए सुनियोजित विकास की आवश्यकता जताते हुए सूर्य कुंड को दुबारा स्थापित किए जाने की आवश्यकता जतायी।

राहुल करते हैं गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा है कि उच्चतम न्यायालय की ओर से बार-बार फटकार मिलना यह दर्शाता है कि वह बिना तथ्य, गैर-जिम्मेदाराना और राष्ट्रविरोधी बयानबाजी करते रहे हैं, विशेषकर भारतीय सेना के संदर्भ में। राठौड़ ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक जैसे देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी राहुल गांधी ने सेना की नीयत और कार्यशैली पर सवाल उठाए। 'जब सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, तो राहुल गांधी और उनकी टीम ने यह पूछना शुरू कर दिया कि 'कितने मरे', 'कहां मरे', 'क्या सबूत हैं। क्या ये सब उन्होंने जाकर खुद देखा था। उन्होंने कहा कि जब गलवान में हमारी सेना चीन की आर्मी को अपनी वीरता का प्राक्रम दिखा रही थी, तब राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कह रहे थे कि हमारी सेना चीनी आर्मी से पिट रही है, यह आश्चर्य और शर्मनाक बात है।

राठौड़ ने चीन के मुद्दे पर भी राहुल गांधी के बयान को अनर्गल और तथ्यहीन बताते हुए कहा कि वर्ष 1962 में जब देश के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू थे, तब चीन ने जमीन हड़पी थी। आज जब हमारी सेना पूरी मजबूती से खड़ी है, तब भी राहुल गांधी कहते हैं कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने ले ली। उच्चतम न्यायालय ने भी यही सवाल किया, क्या आपके पास कोई तथ्य हैं। उन्होंने सावरकर पर दिए गए राहुल गांधी के बयानों की भी तीखी आलोचना करते हुए कहा कि 'सावरकर जैसे क्रांतिकारी जिन्होंने तीन बार कालापानी की सजा भुगती, उनके त्याग और बलिदान का अपमान राहुल गांधी ने किया। अंग्रेजों को लिखे पत्रों की भाषा को माफीनामा बताना अज्ञानता है।

राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरनेम पर दिए गए बयान को जातिगत अपमान की श्रेणी में बताते हुए कहा कि विपक्षी नेता एक ओबीसी समुदाय को जान बूझकर निशाना बना रहे है। इसी कारण माफी मांगनी पड़ी और न्यायालय की कार्यवाही का सामना भी करना पड़ा।

राहुल गांधी से बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है ? : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सेना के संबंध में राहुल गांधी के एक बयान को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा नाखुशी जताए जाने के संदर्भ में राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उन (राहुल) से बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है। साथ ही, गहलोत ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, देशभक्ति का सबसे बड़ा स्वरूप होता है देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देना। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी एवं उनकी दादी इंदिरा गांधी ने भारत देश के लिए बलिदान दिया है। राहुल गांधी ने 4,000 किलोमीटर की पदयात्रा कर देश के आमजन की समस्याओं को सरकार के सामने रखने का काम किया। उनसे बड़ा देशभक्त कौन हो सकता है? उन्होने कहा, राहुल गांधी ने कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। गलवान में चीनी घुसपैठ और झड़प, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए, की जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि चीन द्वारा भारत में लगभग 2,000 किलोमीटर तक की घुसपैठ और उससे संबंधित स्थानों की जानकारी भी इंटरनेट और मीडिया में विश्वसनीय स्रोतों पर उपलब्ध है। गहलोत के अनुसार, लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी समय-समय पर चीनी घुसपैठ को लेकर चिंता जताते रहे हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के बाद 2023 में लद्दाख का दौरा किया था। उस समय बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी चीनी घुसपैठ की शिकायत की थी।

उन्होंने लिखा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने भी चीनी आक्रामकता में हमारे सैनिकों की शहादत को स्वीकार किया है। राहुल गांधी का बयान सरकार से इस मुद्दे पर उचित कार्रवाई की अपील के रूप में था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के अनुसार, चूंकि यह उस समय एक ज्वलंत मुद्दा था इसलिए सरकार को स्वयं आगे आकर इस विषय पर संसद में चर्चा करनी चाहिए थी ताकि देश को विश्वास में लिया जा सके परन्तु ऐसा नहीं हुआ।

जयपुर में श्रम निरीक्षक की गोली मारकर हत्या

जयपुर। जयपुर में एक श्रम निरीक्षक (लेबर इंसपेक्टर) की मंगलवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बगरू थाना क्षेत्र में हुई और आरोपी कांस्टेबल ने बाद में आत्मसमर्पण कर दिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) आलोक सिंघल ने बताया कि आरोपी कांस्टेबल अजय कटारिया नई दिल्ली स्थित राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी) बटालियन में तैनात है। वह जयपुर जिले के फुलेरा का रहने वाला है। सिंघल के अनुसार आरोपी ने श्रम निरीक्षक शंकर बलाई पर उस समय गोली चलाई जब वह सुबह की सैर करके अपने घर लौट रहे थे। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया, आरोपी ने बाद में अपने हथियार के साथ फुलेरा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि शंकर बलाई ने अजय की सगाई एक कांस्टेबल युवती से कराने में भूमिका निभाई थी। वह युवती जयपुर में तैनात है। लेकिन किन्हीं कारणों से यह रिश्ता टूट गया। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, रिश्ता टूटने के बाद, महिला कथित तौर पर अजय को जेल भेजने की धमकी देती रही। अजय ने आरोप लगाया है कि महिला शंकर बलाई के इशारे पर उसे परेशान कर रही थी, इसलिए उसने उसे जान से मारने का फैसला किया। पुलिस ने घटनास्थल से दस गोलियों के खोखे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इनमें से मृतक को कितनी गोलियां लगीं ये पोस्टमार्टम के बाद ही पता लगेगा।

अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर लगाई जाए रोक धारा 55 के अंतर्गत की जाने वाली जांचों की हो समीक्षा : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा कर समयबद्ध रूप से उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों का एक माह के भीतर निस्तारण किया जाना चाहिए। साथ ही, इस प्रक्रिया में निरन्तर झूठी एवं आदतन शिकायत करने वाले लोगों को भी चिह्नित किया जाए।

दक मंगलवार को अपेक्स बैंक सभागार में मंत्री कार्यालय से प्रेषित किए जाने वाले जनसुनवाई प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लम्बित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं के प्रकरण में कोई कोताही नहीं बरती जाए। ऐसे प्रकरणों में दोषी कार्मिकों के साथ ही जांच में देरी करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्यवाही की जाए। अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर रोक लगाने पर विचार किया जाए। साथ ही, एफआईआर दर्ज करवाने और आरोप पत्र जारी करने जैसी कार्यवाही भी समय पर की जाए। उन्होंने कहा कि गबन के प्रकरणों में नियमानुसार धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाने व सम्पत्ति अटैच करने की कार्यवाही की जाए।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि अनियमितताओं के प्रकरण में संबंधित कार्मिक को निलम्बित करने पर तत्काल माननीय न्यायालय में कैवियट दायर की जाए, जिससे एकतरफा कार्यवाही नहीं हो। इस संबंध में विभागीय स्तर पर परिपत्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि बीमा कम्पनियों के क्लेम से संबंधित प्रकरणों का अविलम्ब निस्तारण किया जाए। मल्टी स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटियों के प्रकरणों में कार्यवाही के लिए केन्द्रीय रजिस्ट्रार को लिखा जाए। राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2001 की धारा 55 के अंतर्गत की जाने वाली जांचों की समीक्षा की जाए।

दक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के स्तर से प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाए। जो अधिकारी समय पर जवाब नहीं भिजवाते हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य में नवीन पैक्स गठन हेतु प्रावधानों में शिथिलता दी जा चुकी है। अत: नवीन पैक्स गठन के प्रकरणों में तत्काल कार्यवाही की जाए। समस्त जिलों में नवगठित पैक्स के पदाधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएं।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि विभाग द्वारा प्रकरणों के समयबद्ध रूप से निस्तारण के प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसे चुनिंदा प्रकरण लम्बित हैं, जिनमें जांच की कार्यवाही की जानी है।

विभागीय स्तर पर जांच हेतु सेल का गठन किये जाने से प्रकरणों की समय पर जांच हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी प्रकरणों के संबंध में समय पर जवाब भिजवाया जाना सुनिश्चित करें। प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में प्रगति एक सप्ताह के भीतर अपडेट की जाए। साथ ही, जांच से संबंधित लम्बित पुराने प्रकरणों में एक माह के अन्दर स्थिति अपडेट की जाए। बैठक में राजफेड के प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा सहित सभी संबंधित फंक्शनल अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जैसलमेर में जासूसी के संदेह में डीआरडीओ गेस्ट हाउस के प्रबंधक को हिरासत में लिया गया

जयपुर। जैसलमेर जिले में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के गेस्ट हाउस के प्रबंधक को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार उत्तराखंड के अल्मोड़ा का रहने वाला महेंद्र प्रसाद जैसलमेर के चांधन इलाके में डीआरडीओ गेस्ट हाउस के प्रबंधक के पद पर तैनात है। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने कहा, प्रसाद को सोमवार को हिरासत में लिया गया था। आज उससे संयुक्त पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने कहा, प्रसाद पर क्षेत्र में रणनीतिक अभियानों और गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी देने का संदेह है। उल्लेखनीय है कि डीआरडीओ जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में मिसाइलों और हथियारों का परीक्षण करता है और इस प्रक्रिया में शामिल विशेषज्ञ और अधिकारी गेस्ट हाउस में ठहरते हैं।

भजनलाल शर्मा ने दीया कुमारी से राखी बंधवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में 'आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह' को संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और आंगनबाडी बहनों से राखी बंधवाई। इस दौरान शर्मा ने डीबीटी के माध्यम से प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को राखी के उपहार स्वरूप 501-501 रुपये की राशि हस्तांतरित की। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई भी उपहार स्वरूप भेंट किए गए।

समारोह में मुख्यमंत्री ने कुपोषित बच्चों के लिए दूध की मात्रा 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम करते हुए दूध युक्त बालाहार प्रीमिक्स पैकेट का शुभारंभ भी किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी बहनों को पोषण शपथ भी दिलवाई।

एनएसयूआई ने छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

जयपुर। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने राजस्थान में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर मंगलवार को जयपुर में प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की कोशिश करने पर कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें कीं। शहर में एमआई रोड स्थित शहीद स्मारक पर हुए विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए। पायलट ने कहा, मुख्यमंत्री को उनके सलाहकार कैसी सलाह दे रहे हैं। राजस्थान में भाजपा सरकार बने पौने दो साल हो गए हैं, लेकिन पूरे राज्य में, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास ठप पड़ा है। जयपुर में किसी को पता नहीं कि किस मंत्री की चल रही है किसकी नहीं चल रही। अधिकारी हावी हैं।' उन्होंने कहा कि छात्र संघ के चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव में हार जीत महत्वपूर्ण नहीं, चुनावी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। पायलट ने कहा, नौजवानों को चुनाव से दूर रखकर ये तानाशाही रवैया ... यह सीख दिल्ली से मिल रही है।'

शहीद स्मारक पर प्रदर्शन के बाद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास की ओर जाना चाहा, लेकिन पुलिस ने पहले ही बैरिकेड्स लगा रखे थे।

पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पानी की बौछारें कीं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। एनएसयूआई मांग कर रही है कि राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया दोबारा शुरू की जाए।

जर्जर चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश निषेध, तत्काल मरम्मत करवाने के निर्देश प्रमुख शासन सचिव ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक राजकीय चिकित्सा संस्थानों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रहे हैं। प्रदेश के जर्जर और अधिक मरम्मत की आवश्यकता वाले चिकित्सा संस्थान के भवनों पर 'जर्जर भवन-प्रवेश निषेध' का बोर्ड डिस्पले कर उपयोग तुरंत बंद किया जा रहा है तथा प्राथमिकता के साथ इनका रिनोवेशन सुनिश्चित किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों का गहन निरीक्षण करें और गंभीरता के साथ सुधारात्मक कार्यवाही करें। कहीं भी लापरवाही सामने आई या किसी भी प्रकार की क्षति हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती राठौड़ ने अधिक वर्षा के कारण चिकित्सा संस्थानों में संभावित दुर्घटनाओं से बचाव के लिए मेंटीनेंस कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने चिकित्सा भवनों की स्थिति, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, आरजीएचएस, टीबी एवं गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग व उपचार, मौसमी बीमारियों और दवाइयों की उपलब्धता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सभी जिलों के साथ विस्तार से चर्चा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

श्रीमती राठौड़ ने विगत सप्ताह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना की जानकारी ली। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में जानकारी लेकर कहा कि जिन जिलों में मलेरिया व डेंगू के केस ज्यादा आ रहे हैं।

प्रदेश में सुदृढ़ होंगी नि:शुल्क जांच सुविधाएं हब एवं स्पॉक मॉडल से गांव-कस्बों तक बढ़ेगा जांचों का दायरा

जयपुर। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में विभिन्न रोगों की जांच सुविधा को बेहतर बनाने के लिए प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण कर उन्हें मदर हब एण्ड स्पॉक प्रयोगशालाओं के रूप में बदला जाएगा। हब एवं स्पॉक मॉडल के तहत मदर लैब, हब लैब एवं स्पोक्स के माध्यम से जिला चिकित्सालयों में 145, उप जिला चिकित्सालयों व सैटेलाइट चिकित्सालयों में 117, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 101, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा डिस्पेन्सिरियों में 66 प्रकार की जांचें आउटसोर्स मोड पर उपलब्ध करवाई जाएंगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ की उपस्थिति में इसके लिए स्वास्थ्य भवन में मंगलवार को एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। एमओयू पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव, टेलीकम्यूनिकेशंस इंडिया लिमिटेड की ओर से कार्यकारी निदेशक अरूण डागर एवं कृष्णा डायग्नोस्टिक लिमिटेड की ओर से कार्यकारी निदेशक पल्लवी जैन ने हस्ताक्षर किए।

उल्लेखनीय है कि नि:शुल्क जांच सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार की ओर से हब एवं स्पॉक मॉडल अपनाने की पहल की गई है। इसी क्रम में राजस्थान में भी यह मॉडल लागू किया जा रहा है ताकि गांव-कस्बों तक रोगियों को जांच की समुचित सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हों।

बिहार मंत्रिमंडल ने स्कूल शिक्षकों की भर्ती में अधिवास नीति को मंजूरी दी

पटना/भाषा। बिहार मंत्रिमंडल ने शिक्षकों की भर्ती में अधिवास (डोमिसाइल) नीति लागू करने को मंजूरी दे दी जिससे राज्य के ''मूल निवासियों'' के लिए लगभग 85% पद आरक्षित हो जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को घोषणा की थी कि स्कूली शिक्षकों की भर्ती के लिए यह नीति लागू की जाएगी। इस वर्ष के अंत में होने विधानसभा चुनाव से पहले इस फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कैबिनेट सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, शिक्षकों की भर्ती परीक्षाओं में राज्य के मूल निवासियों को वरीयता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, राज्य के निवासियों के लिए पहले से ही 50 प्रतिशत से अधिक सीट आरक्षित हैं क्योंकि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लगभग 50% है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित है।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर राज्य के कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए।

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को ''सुनियोजित नाटक'' करार दिया। कूचबिहार में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर आए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले में पार्टी विधायकों पर हाल में हुए हमलों के विरोध में कूचबिहार एसपी कार्यालय का घेराव करने की योजना बनाई थी। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित रूप से ''भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न'' और ''बंगाल में पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने के प्रयास'' का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर एक साथ धरना प्रदर्शन किया। इनमें से अधिकतर स्थान उस मार्ग पर स्थित थे जहां से अधिकारी का काफिला गुजरने वाला था। अधिकारी को घोक्साडांगा क्षेत्र के पास 'वापस जाओ' और 'चोर' जैसे नारों का सामना करना पड़ा, और रास्ते में काले झंडे दिखाए गए। भाजपा नेताओं के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस पार्टी के झंडे और काले झंडे लिए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर खगराबाड़ी चौराहे पर जमा हो गई। उसी वक्त अधिकारी का काफिला इलाके से गुजर रहा था। अधिकारी ने आरोप लगाया, तृणमूल कांग्रेस रोहिंग्याओं को लेकर आए थे जो क्षेत्र में घुसपैठ कर आए थे और उनके जरिए उन पर हमला करवाया। उन्होंने दावा किया, जिस कार से मैं जा रहा था उसे उन्होंने 'रॉड' और लाठी-डंडों से तोड़ने की कोशिश की। असफल होने के बाद उन्होंने भारी पत्थरों वार कर कार के बुलेटप्रूफ शीशे को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि वह बुलेटप्रूफ वाहन के कारण ही आज जीवित हैं। भाजपा नेता ने कहा कि वह कानून-व्यवस्था की विफलता को लेकर संबंधित पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ पूरी कानूनी ताकत के साथ कार्रवाई करेंगे। अधिकारी ने कहा, मैंने यहां आने से पहले पुलिस और प्रशासन को सूचित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए थे, क्योंकि इस कार्यक्रम को उच्च न्यायालय की मंजूरी मिली है और और मुझे आशंका थी कि ऐसा कुछ हो सकता है। अब एसपी परिणाम का सामना करेंगे।

कांग्रेस का कटाक्ष: 'दोस्त दोस्त ना रहा...ट्रंप तेरा ऐतबार ना रहा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दिए जाने को लेकर मंगलवार को सरकार पर कटाक्ष किया और प्रसिद्ध गायक मुकेश के मशहूर गाने 'दोस्त दोस्त ना रहा' का उल्लेख किया तथा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''झप्पी कूटनीति'' (हग्लोमैसी) पूरी तरह विफल हो चुकी है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्रंप की धमकी पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया को ''कमजोर बताते हुए कहा कि इस मुद्दे पर खुद प्रधानमंत्री मोदी को स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए। ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि वह रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति के टिप्पणी पर रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुझे राज कपूर, वैजयंतीमाला और राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' का एक पुराना गाना याद आ गया जिसे मुकेश ने गाया था। वह गाना था- 'दोस्त दोस्त ना रहा, प्यार प्यार ना रहा, ट्रंप हमें तेरा ऐतबार ना रहा, यह तथाकथित मोदी-ट्रंप दोस्ती का पूरी तरह पतन है। उन्होंने कहा, सितंबर 2019 में 'हाउडी मोदी' हुआ, फरवरी, 2020 में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रमों और 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा मोदी ने दिया। फरवरी 2025 में फोटो सेशन भी हुआ। यह दावा किया गया कि मोदी उन शुरुआती नेताओं में थे जिन्होंने ट्रंप को दोबारा जीत पर बधाई दी। रमेश का कहना था, हमारे विदेश मंत्री (एस. जयशंकर) ने शेखी बघारी कि वह व्हाइट हाउस में ट्रंप के उद्घाटन समारोह में पहली पंक्ति में बैठे थे। पूरी विदेश नीति इस व्यक्तिगत मित्रता पर टिकी थी।

एसआईआर भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की है उपज : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की उपज है।

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित घाटल के दौरे पर आईं बनर्जी ने यह भी कहा कि बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, यह (एसआईआर) योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी। राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बनर्जी ने दावा किया, यदि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण लागू किया जाता है, तो सभी धर्मों के लोगों को नुकसान होगा। विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि निर्वाचन आयोग की इस कवायद का उद्देश्य बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 'मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना' है। बनर्जी ने दोहराया कि पश्चिम बंगाल के प्रवासी कामगारों को 'अपनी मातृभाषा के कारण' कुछ राज्यों में उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि चूंकि उन्होंने इस तरह के कृत्यों का विरोध किया है, इसलिए कुछ हलकों में यह मांग उठ रही है कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू करने की कोशिशें चल रही हैं।

सत्यपाल मलिक ने सत्ता को सच का आईना दिखाया था : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताया और कहा कि वह आखिरी समय तक बेबाकी और निडरता से सत्ता को सच का आईना दिखाते रहे।

मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता सत्यपाल मलिक जी के निधन का समाचार बेहद दुखद है। वे बेबाक़ी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी मलिक के निधन पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक जी के निधन की ख़बर सुनकर बेहद दुख हुआ। मैं उन्हें हमेशा एक ऐसे इंसान के रूप में याद करूंगा, जो आख़िरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। मैं उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मलिक के निधन पर दुख जताया और उन्हें किसानों की मुखर आवाज बताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के किसानों की मुखर आवाज एवं पूर्व राज्यपाल श्री सत्यपाल सिंह मलिक जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

तेज प्रताप यादव की बिहार विस चुनाव लड़ने के लिए पांच छोटे दलों का गठबंधन बनाने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पांच छोटे दलों का गठबंधन बनाने की मंगलवार को घोषणा की।

तेज प्रताप ने यह घोषणा एक संवाददाता सम्मेलन में की, जिसमें पांचों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी शामिल हुए।

तेज प्रताप को हाल ही में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

ये पांच दल विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी), भोजपुरिया जन मोर्चा (बीजेएम), प्रगतिशील जनता पार्टी (पीजेपी), वाजिब अधिकार पार्टी (डब्ल्यूएपी) और संयुक्त किसान विकास पार्टी (एसकेवीपी) हैं।

तेज प्रताप ने कहा कि वह इस साल के अंत में होने वाला विधानसभा चुनाव महुआ सीट से लड़ेंगे, जिसका उन्होंने 2020 तक प्रतिनिधित्व किया। बाद में राजद ने उन्हें हसनपुर स्थानांतरित कर दिया था।

असम: आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी के परिसरों पर ईडी के छापे

गुवाहाटी/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की सेवानिवृत्त अधिकारी सेवाली देवी शर्मा से जुड़े परिसरों पर छापे मारे। यहां एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने असम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष-सह-निदेशक शर्मा से जुड़े कम से कम आठ परिसरों पर छापे मारे हैं। धन शोधन का यह मामला असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के निर्देश पर राज्य पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है। शर्मा पर पहले पुलिस ने 5.7 करोड़ रुपए की कथित अवैध संपत्ति रखने के लिए चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए पूर्व आईएएस से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

सूत्रों के अनुसार, शर्मा एससीईआरटी के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रकोष्ठ (ओडीएल) की कार्यकारी अध्यक्ष-सह-निदेशक के रूप में कार्यरत थी और उनके पास राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन कार्यक्रम के कार्यान्वयन की भी जिम्मेदारी थी। राज्य सरकार ने इससे पहले 59 संस्थानों के निर्माण और 27,897 शिक्षकों के प्रशिक्षण को मंजूरी दी थी। शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने 'अधिक धन जुटाने' के लिए 347 अध्ययन केंद्र खोले और 1,06,828 प्रशिक्षुओं को नामांकित किया। सूत्रों के अनुसार, शर्मा ने ओडीएल सेल के लिए पांच बैंक खाते खोले, जिनमें वह एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थीं, जो असम वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2005 का उल्लंघन है।

झांसी में संदिग्ध परिस्थितियों में अधिवक्ता की मौत, परिजनों को हत्या का अंदेशा

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले के तालपुरा इलाके में मंगलवार को एक अधिवक्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजन ने हत्या का अंदेशा जताया है। झांसी के पूर्व अपर जिला शासकीय अधिवक्ता और गुरसराय नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भानु प्रकाश सरवरिया (62) शहर के तालपुरा इलाके में पत्नी सुशीला देवी के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक आज सुबह सैर से वापस आने के बाद वह कमरे में सो गए और जब काफी देर तक उनका दरवाजा नहीं खुला तो घर में रहने वाले किराएदार पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कहा कि दरवाजा खोलकर देखा गया तो उनका शव पड़ा हुआ था और पैर में रस्सी भी बंधी हुई थी। सरवरिया की बेटी कविता ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। उनके पैर में रस्सी बंधी होना तथा गले पर भी कुछ निशान होने से आशंका है कि किसी ने उनकी हत्या की है। घर में उनके कुछ कागज भी बिखरे हुए पाए गए हैं और मां की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। घटनास्थल पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि अधिवक्ता की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हुई है। बाहर से किसी व्यक्ति के आने की स्थिति दिखाई नहीं दे रही है, फिर भी पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

त्रिपुरा में बाल विवाह अभी भी चिंता का सबब

सिपाहीजाला में तीन महीने के भीतर 103 मामले सामने आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में इस वर्ष अप्रैल से जून के बीच बाल विवाह के राज्य में सबसे अधिक 103 मामले दर्ज किए गए हैं। यहां एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस मुद्दे पर चिंताओं के बीच, जिला प्रशासन ने अपने प्रमुख पहल 'मिशन संकल्प' के तहत इसी अवधि के दौरान बाल विवाह के 101 प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया। 'मिशन संकल्प' पहल का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाना है। दक्षिण त्रिपुरा जिला 43 मामलों के साथ बाल विवाह के लिए दूसरे स्थान पर रहा। आकांक्षी ज़िला धलाई में बाल विवाह के 33 मामले दर्ज किए गए जबकि यहां 31 बाल विवाह के प्रयासों को विफल किया गया। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की रिपोर्ट के अनुसार, बाल विवाह के मामलों में त्रिपुरा देश में तीसरे स्थान पर है। बाल विवाह को त्रिपुरा में सबसे गंभीर सामाजिक चुनौतियों में से एक बताते हुए समाज कल्याण एवं सामाजिक शिक्षा विभाग के निदेशक तपन कुमार दास ने कहा कि इस मुद्दे ने पूर्वोत्तर राज्य में गंभीर रूप ले लिया है। उन्होंने विभागीय निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा, आर्थिक रूप से पिछड़ापन इसका असल कारण है। निरक्षरता, सामाजिक समर्थन का अभाव और सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव भी इसके लिए जिम्मेदार कारक हैं। दास ने कहा कि विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को अभी भी बोझ समझा जाता है और कई माता-पिता अपनी बेटियों को शिक्षित करने को लेकर अनिच्छुक हैं। इस समस्या के समाधान के लिए समाज कल्याण विभाग ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय करके कई उपाय किए हैं। दास ने बताया, ऐसी ही एक पहल 'बालिका मंच' है, जो ज़्यादातर स्कूलों में गठित एक स्कूल-स्तरीय समिति है। इसमें शिक्षक और छात्राएं दोनों शामिल होते हैं। अगर कोई छात्रा कई दिनों तक अनुपस्थित रहती है, तो उसके सहपाठियों को समिति को इसकी सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके बाद मामले की जांच की जाती है और ज़रूरत पड़ने पर पंचायत को भेजा जाता है।

बाल विवाह विरोधी पहल में अग्रणी रहे सिपाहीजाला के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शिव जायसवाल ने कहा कि 'मिशन संकल्प' विशेष रूप से बाल विवाह, किशोर गर्भावस्था और युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

ओडिशा: दूरदराज के इलाकों में बिजली की खराबी का पता ड्रोन से लगाया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में अब महिलाएं रात्रि पाली में भी काम कर सकेंगी, लेकिन इसके लिए लिखित सहमति अनिवार्य होगी। राज्य सरकार की एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

श्रम एवं कर्मचारी राज्य बीमा विभाग ने एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया है, जिसके तहत महिलाओं को कारखानों, दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली में काम करने की अनुमति दी गई है। इसमें कहा गया है कि रात्रि पाली में कम से कम तीन महिला कर्मचारियों की मौजूदगी आवश्यक है और उन्हें लाने-ले जाने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग प्रणाली सहित पर्याप्त परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि किसी भी संस्थान में रात के समय कोई भी किशोरी न तो कर्मचारी के रूप में और न ही किसी और रूप में काम कर सकेगी।

अधिसूचना के अनुसार, नियोक्ता को कार्यस्थल के पास शौचालय या वाशरूम और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध करानी होगी, जहां ऐसी महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, साथ ही सीसीटीवी निगरानी और उचित प्रकाश व्यवस्था का प्रबंध भी करना होगा, जिसमें सुविधाओं के लिए मार्ग भी शामिल होंगे। इसमें कहा गया है कि इस फैसले से महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ़ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है। भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस शृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने शृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया जिससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज शृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में शृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है। लेकिन भरोसा है कि सिराज नए तेज गेंदबाजों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप ने उनका अच्छा साथ दिया। रविंद्र जडेजा ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करके इस शृंखला को अपने लिए यादगार बना दिया। इस 36 वर्ष के खिलाड़ी ने शृंखला में 516 रन बनाए जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

केएल राहुल दोनों टीमों में सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे। उन्होंने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में अपने कौशल और प्रतिभा का शानदार नमूना पेश किया। गिल और जडेजा के अलावा वह शृंखला में दो शतकों सहित 500 से अधिक रन बनाने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज थे।

निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर का संयमित प्रदर्शन सराहनीय रहा और उन्होंने मैनचेस्टर में अपनी ऑफ स्पिन से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने पर अड़ा रहा और वाशिंगटन ने सुनिश्चित किया कि टीम को अपने चुने हुए रास्ते से नहीं हटना पड़े। ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स के साहसिक प्रदर्शन ने भी शृंखला को और अधिक रोचक बना दिया। पंत जहां मैनचेस्टर में पहली पारी में महत्वपूर्ण रन जोड़ने के लिए पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे, वहीं वोक्स कंधे की चोट के बावजूद अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन बल्लेबाजी करने उतरे।

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

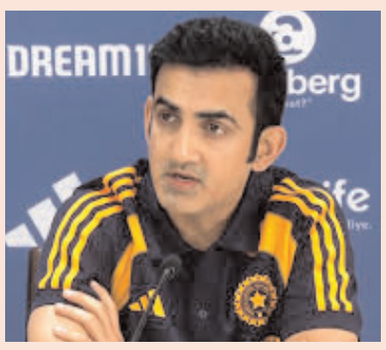

लंदन/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें।

गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ सोमवार को एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी 2 . 2 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने भाषण में अपने विचार रखे।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, जिस तरह से यह शृंखला खेली गई है, 2 . 2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई। उन्होंने कहा, हमें बेहतर होते रहना है। हम मेहनत करते रहेंगे। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे।

गंभीर ने कहा, लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट शृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा, शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो। आपने जो हासिल किया है, आप इसके हकदार हैं।

हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को 'इंपैक्ट प्लेयर आफ द सीरिज' पुरस्कार दिया गया जो उन्हें रविंद्र जडेजा ने दिया। सुंदर ने कहा, इंग्लैंड में चार मैच खेलकर अच्छा लगा। मैं हमेशा यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। एक टीम के रूप में हमने हर दिन यही सोचकर खेला। जो ऊर्जा थी खासकर फील्डिंग में, हम हमेशा एक दूसरे के लिए खड़े थे।

सुविचार

वह व्यक्ति जो दूसरों के अनुभवों से सीखता है, वह बुद्धिमान होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जम्मू-कश्मीरः कैसे खुलेगी शांति की राह?

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का यह बयान कि 'जब तक पड़ोसी देश (पाकिस्तान) के साथ हमारे संबंध बेहतर नहीं हो जाते, तब तक यहां (जम्मू-कश्मीर में) आतंकवाद समाप्त नहीं होगा', तथ्यात्मक रूप से अधूरा है। इसे पढ़-सुनकर बहुत लोग भ्रमित हो सकते हैं। क्या जम्मू-कश्मीर के ये पूर्व मुख्यमंत्री नहीं जानते कि पाक प्रायोजित आतंकवाद की जड़ कहां है? यह बात कहने-सुनने में बड़ी अच्छी लगती है कि जिस दिन भारत-पाकिस्तान के संबंध अच्छे हो जाएंगे, कोई झगड़ा ही नहीं रहेगा। आजादी के इतने दशकों बाद, जब जम्मू-कश्मीर में हजारों भारतीय नागरिक आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं, हमें समस्या की असल वजह समझनी होगी। अन्यथा यह सिलसिला चलता रहेगा। जम्मू-कश्मीर में सत्ता सुख प्राप्त कर चुके कई नेतागण अपने वोटबैंक को इकट्ठा रखने के लिए ऐसे बयान देते रहते हैं, जिनका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। क्या जिन्ना ने इसलिए पाकिस्तान की मांग की थी, ताकि भारत के साथ उसके मधुर संबंध रहें? जो ऐसा मानते हैं, वे ख़्वाबों और ख़यालों की दुनिया में रहते हैं। वे जानते ही नहीं कि पाकिस्तान और उसका नेतृत्व, दोनों हमारे बारे में क्या सोचते हैं! पाकिस्तान की नींव ही 'हिंसा, कट्टरता, घृणा और भेदभाव' पर टिकी है। इन चारों बुराइयों को जोड़ें तो उसका नतीजा 'आतंकवाद' ही निकलता है। लिहाजा यह कहना पूरी तरह सही नहीं है कि जब तक भारत-पाकिस्तान संबंध नहीं सुधरेंगे, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं होगा। बल्कि यह कहना ज्यादा तर्कसंगत होगा कि जब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं होगा, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध नहीं सुधर सकते।

पाकिस्तान में नेता और फौज कभी साथ-साथ, कभी अलग-अलग चलते हैं। नेता अपनी नीति बदलते रहते हैं, लेकिन पाकिस्तानी फौज ने अपनी नीति कभी नहीं बदली। वह है- भारत के साथ लगातार टकराव बनाए रखना। साल 1999 तक इस पड़ोसी देश की फौज ने बड़े स्तर पर सैन्य टकराव को जारी रखा था। हालांकि हर बार उसकी बुरी तरह शिकस्त हुई थी। अब रावलपिंडी के जनरल समझ चुके हैं कि खुलकर युद्ध में कूदना उनके लिए नुकसानदेह है, इसलिए वे आतंकवादियों को आगे कर उन्हें मोहरा बना रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बल कितने ही आतंकवादियों का खात्मा करते जाएं, उनका आना तब तक नहीं रुकेगा, जब तक कि पाकिस्तान उन्हें भेजना बंद न कर दे। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयां सख्त पैगाम जरूर देती हैं। ये आतंकवादियों का आना पूरी तरह बंद नहीं करवा सकतीं। यह सिलसिला उसी सूरत में बंद हो सकता है, जब जीएचक्यू रावलपिंडी को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़े। एक आतंकवादी के खात्मे के साथ पाकिस्तान के कई जवानों और फौजी अधिकारियों को भी परलोक के दीदार करने पड़ जाएं तो इस समस्या का समाधान हो सकता है। पाकिस्तानी अधिकारी अपनी जान नहीं गंवाना चाहते। वे कथित कुर्बानी आतंकवादियों की ही देना चाहते हैं। वहां कट्टरपंथी विचारधारा के मदरसों में ऐसे छात्रों की कमी नहीं है, जिन्हें भविष्य में हथियार देकर एलओसी पर भेजा जा सकता है। यह कार्य पाकिस्तानी फौज के आशीर्वाद के बगैर नहीं हो सकता। जिस दिन इन आतंकवादियों के साथ बड़ी तादाद में पाकिस्तानी फौजी ढेर होने लगेंगे, घुसपैठ कम हो जाएगी। जिस दिन पाकिस्तानी फौज बहुत बड़ी कीमत चुकाएगी, घुसपैठ बंद हो जाएगी। जम्मू-कश्मीर में भी शांति हो जाएगी। अगर इससे पहले, भारत सरकार संबंध सुधारने के लिए इस्लामाबाद से बातचीत करेगी तो उसका कोई फायदा नहीं होगा। इतिहास इसका साक्षी है।

ट्वीटर टॉक

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य व संबल दें।

-दीया कुमारी

पावन श्री अयोध्या धाम में करोड़ों रामभक्तों के आराध्य प्रभु श्री राम जी के भव्य-दिव्य मंदिर के भूमि-पूजन की वर्षगांठ पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। आज का यह पावन दिन युगों-युगों तक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक रहेगा।

-वासुदेव देवनानी

जनता-जनार्दन से मन का नाता रखने वाले पोकरण के माननीय विधायक महंत श्री प्रताप पुरी जी महाराज को जन्मदिवस की सादर बधाई एवं शुभकामनाएँ! आपके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास का नया आयाम गढ़ा जा रहा है। प्रभु श्रीराम आपकी असीम ऊर्जा को अक्षुण्ण बनाएँ रखें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर निःशब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

मालदीव के साथ भारत के संबंध सुधरने के बाद क्या बदला है ?

अशोक भाटिया

मालदीव की यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति के महत्व की भी पुष्टि करती है, ऐसे समय में जब भारतीय विदेश नीति अमेरिका के व्यापार शुल्कों और यूक्रेन व गाजा में संघर्षों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। पहलगाम हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष और बांग्लादेश के साथ तनाव ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, नई दिल्ली विभिन्न देशों से संपर्क साधने में भी व्यस्त रही है, लेकिन उसने पड़ोसी देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे हैं। यह उत्साहजनक है कि नई दिल्ली नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का स्वागत करने की तैयारी कर रही है, जिन्हें एक साल पहले पदभार ग्रहण करने के बाद से भारत आमंत्रित नहीं किया गया है। मालदीव द्वारा अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए जारी एक स्मारक डाक टिकट पर पारंपरिक भारतीय और मालदीव की नावें दिखाई गईं, जिन्हें श्री मोदी ने भारत और मालदीव के न केवल पड़ोसी होने, बल्कि एक साझा यात्रा पर साथी यात्री होने का प्रतिबिंब बताया। वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौर में, पड़ोसियों के साथ घनिष्ठ संबंध - जो उनकी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करे और जहाँ तक संभव हो, उनकी विकास योजनाओं का समर्थन करे - आवश्यक है। मालदीव के साथ भारत के संबंध, जो भारत के बहुत ही करीब है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, पिछले दो वर्षों में खराब हो गए हैं; लेकिन अब, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के साथ, दोनों देशों के बीच संबंधों को पुनर्जीवित किया गया है और मालदीव के शासकों ने अब महसूस किया है कि देश की अर्थव्यवस्था व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है।इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केरल तट से लगभग 500 किलोमीटर दूर मालदीव की यात्रा भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव की यात्रा छह साल बाद ही संभव हो सकी। चीन और पाकिस्तान के प्रयासों से वहां बने भारत विरोधी माहौल को बेअसर करने में कुछ समय लगा। भारत और मालदीव के बीच संबंध तब से प्रभावित होने लगे जब चीन ने हिंद महासागर के मुख्य व्यापार मार्ग के पास देश की निगरानी शुरू की। ये था। इस दशक में, चीन और पाकिस्तान द्वारा मालदीव की राजनीति में हस्तक्षेप करने और उनके अनुकूल सरकार बनाने के प्रयास किए गए हैं; लेकिन भारत की चिंता स्वाभाविक रूप से तब बढ़ गई जब चीन ने मालदीव के जल में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के उद्देश्य से एक द्वीप पट्टे पर लिया। इस द्वीप के बहाने चीन ने न केवल अपने नौसैनिक जहाजों को मालदीव भेजना शुरू किया, बल्कि उन्हें स्थायी रूप से तैनात करने पर भी विचार किया। दूसरी ओर, भारत ने मालदीव के जल की निगरानी के लिए अपने तट रक्षक के साथ सहकारी संबंध स्थापित नहीं किए। इसने वहां एक द्वीप पर अपना रडार स्टेशन भी स्थापित किया।

दो साल पहले मालदीव ने भारतीय सैनिकों की वापसी का सुझाव दिया था। भारत को लेकर सुगबुगाहट मच गई थी। इसलिए, भारतीय पर्यटकों ने मालदीव के बजाय अंडमान और निकोबार को चुना। परिणामस्वरूप, इस देश के साथ हमारे संबंध बिगड़ गए। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत और रूस के पर्यटकों पर निर्भर है। मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का हिस्सा 30 प्रतिशत है। हालांकि चीनी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन मालदीव में कम पर्यटक हैं। मालदीव भारत के साथ खिलवाड़ नहीं कर सका; इसके अलावा, मालदीव के शासकों ने महसूस किया कि अगर चीन कर्ज के जाल में फंस गया, तो देश और भी अधिक संकट में पड़ जाएगा। चीन की मदद स्वैच्छिक है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुसीबत के समय वह पीछे रहेगा। भारत ने मालदीव के आक्रामक रुख पर बहुत धैर्य से प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारत ने मदद करना बंद नहीं किया, लेकिन मदद का हाथ बढ़ाया। तो अब अंतर यह है कि हमारा सच्चा दोस्त कौन है और कौन दोस्त है जो लाभ के लाभ के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है।

मालदीव, चीन और पाकिस्तान भारत के साथ सहयोगात्मक संबंधों के बिना लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकते हैं। लगभग चार दशक पहले, जब कुछ विद्रोही तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल गयूम को उखाड़ फेंकने के लिए माले में उतरे, तो उन्होंने भारत की मदद मांगी। राजीव गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने गयूम की शक्ति को बचाने के लिए 'ऑपरेशन कैक्टस' के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना के एक परिवहन विमान को माले में लॉन्च किया। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत के साथ संबंधों को प्रभावित करने के लिए मालदीव में 500,000 सुन्नी मुस्लिम आबादी की धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। लेकिन मोदी की यात्रा से यह स्पष्ट है कि यह प्रयास सफल नहीं होगा। मालदीव की अपनी यात्रा के दौरान, भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मालदीव को लगभग 4850 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। इससे दोनों देशों को लाभ होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की वित्तीय सहायता मालदीव पर चीन के कर्ज के बोझ को कम करने में भी मदद करेगी। मालदीव पर 1 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज है। मालदीव पूर्व में चीन और अन्य देशों को प्रति वर्ष 51 मिलियन डॉलर का भुगतान करता था। इस तरह। भारत की मदद से, यह राशि अब घटकर केवल 29 मिलियन डॉलर रह जाएगी। इससे चीन पर मालदीव की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। मोदी की यात्रा ने उम्मीद जताई है कि मालदीव के नेता अब चीन द्वारा अपने देश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए तैयार की जा रही रणनीति को समझेंगे। भारत ने मुइज़ू को चीनी प्रभाव से दूर रखकर पड़ोसी देश के साथ पुराने संबंधों को बहाल करने के लिए अभूतपूर्व धैर्य और कूटनीतिक कौशल दिखाया है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज़ू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग संबंधों को बहाल करने का संकेत दिया है और कोई भी जो भारत के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसने कार्रवाई न करने का भी वादा किया है। भौगोलिक रूप से, मालदीव को दुनिया का सबसे बिखरा हुआ देश कहा जाता है। इसे एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक यात्रा करने के लिए नौका नाव का उपयोग करना पड़ता है। मालदीव 1965 में ब्रिटेन से राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो गया। स्वतंत्रता के तीन साल बाद, मालदीव एक संवैधानिक इस्लामी गणराज्य बन गया। स्वतंत्रता के बाद, मालदीव के लोगों की राजनीति और जीवन में इस्लाम का महत्वपूर्ण स्थान है।

2008 में मालदीव में इस्लाम राज्य धर्म बन गया। मालदीव दुनिया का सबसे छोटा इस्लामी देश है। 26 जुलाई मालदीव का 60वां स्वतंत्रता दिवस था। मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। यह मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा है। अतीत में, मालदीव सरकार 'इंडिया फर्स्ट' नीति का पालन कर रही थी। लेकिन मुइज़ू ने इस नीति को समाप्त करने का वादा किया था। मुइज़ू ने चीन के साथ संबंधों को मजबूत किया था। भारत द्वारा 7.5 अरब डॉलर समृद्ध मालदीव को दिवालिया होने से बचाने के बाद मुइज़ू ने भारत के बारे में अपना दृष्टिकोण बदल दिया। मालदीव हिंद महासागर में प्रमुख समुद्री मार्गों के करीब है। ये मार्ग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को आकर्षित करते हैं। ये मार्ग खाड़ी देशों से भारत को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मालदीव के साथ भारत के बिगड़ते संबंधों को किसी भी तरह से अच्छा नहीं माना जाता था। और यह दृष्टिकोण रणनीतिक हितों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मालदीव के साथ अच्छे संबंध भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। भारत की समुद्री निगरानी में मालदीव का सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मालदीव लक्षद्वीप से लगभग 700 किमी और मुख्य भूमि भारत से 1200 किमी दूर है। मालदीव में चीन का नौसैनिक अड्डा बनाना भारत के लिए सुरक्षा चुनौती है। अगर चीन दुनिया में मजबूत हो जाता है, तो उसके लिए युद्ध जैसी स्थिति में भारत तक पहुंचना बहुत आसान हो जाएगा। मालदीव में चीन के कई प्रोजेक्ट हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। मालदीव की जनता की राय अभी भी भारत के खिलाफ है। हालांकि, भारत ने मालदीव में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निवेश किया है। इनमें से, ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के तरीके के रूप में देखा जाता है।

चीन मालदीव में 200 मिलियन डॉलर का चीन-मालदीव मैत्री पुल बना रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि मालदीव में चीन की बढ़ती उपस्थिति भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है। मालदीव ने 4 मिलियन डॉलर में 50 साल के लिए चीन को पुरुष हवाई अड्डे के पास एक द्वीप पट्टे पर दिया है। चीन बेल्ट एंड रोड पहल पहल के हिस्से के रूप में हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और मालदीव में कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। मालदीव, जिसने अब भारतीय सेना के लिए 'इंडिया फर्स्ट' नीति की घोषणा की है। मालदीव की भू-राजनीतिक स्थिति भारत और चीन दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चीन की सहायता के बावजूद मालदीव को फिर से भारत के साथ दोस्ती क्यों करनी पड़ी, इसका जवाब अर्थव्यवस्था में है। मोदी और मोइज़ू की यात्रा के दौरान, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। अब भारत और मालदीव के बीच संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा। माना जा रहा है कि भारत द्वारा मालदीव के प्रति संयम का स्तर दिखाए जाने के बाद अब वह विश्वास की दोस्ती को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो मालदीव के लिए सकारात्मक स्थिति पैदा करता रहेगा।

नजरिया

ग्रेटर बांग्लादेश : भारत के लिए बढ़ता वैचारिक खतरा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब एक राष्ट्र की सीमाएं उसके पड़ोसी मुल्क की कल्पना में मिटाई जाने लगें और यह कल्पना सिर्फ नक्शों तक सीमित न रहकर उसे व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए जब शैक्षणिक परिसरों, राजनीतिक मंचों और धार्मिक संस्थानों का उपयोग किया जाने लगे, तब यह केवल एक कल्पना तक सीमित रहनेवाला विषय नहीं रहता, बल्कि एक देश की अपनी पड़ोसी देश के प्रति वैचारिक युद्ध की शुरुआत होती है। इस संदर्भ में वर्तमान भारत अनेक मोर्चों पर वैचारिक और आर्थिक युद्ध का सामना करता हुआ दिखता है, जिसमें से एक उभरता हुआ वैचारिक मोर्चा जो सामने आया है, वह है सल्तनत-ए-बांग्ला। यह कोई साधारण संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुआयामी परियोजना है जो ग्रेटर बांग्लादेश की परिकल्पना को आगे बढ़ा रही है और सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसके पीछे तुर्किये, कतर और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे वैश्विक इस्लामी नेटवर्क की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका सामने आई है। अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं बीते हैं, वह तारीख 14 अप्रैल 2025 की है, जब ढाका विश्वविद्यालय में एक पोस्टर प्रदर्शित किया गया। इस पोस्टर में एक काल्पनिक ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा दर्शाया गया था, जिसमें कि भारत के असम, त्रिपुरा, बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा म्यांमार का अराकान क्षेत्र इसमें शामिल किया गया था। वस्तुत: यह केवल एक पोस्टर नहीं था, यह एक ऐसा वैचारिक घोषणापत्र था जो दक्षिण एशिया में इस्लामी राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान की कल्पना को जमीनी आधार देने की कोशिश कर रहा है।

इस संबंध में विस्तार से जानकारी अब ओर गहराई से सामने आ सकी है। दरअसल, भारतीय संसद में विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने विस्तार से बताया है कि कैसे यह 'ग्रेटर बांग्लादेश' का विचार एक सोची-समझी 'आइडियोलॉजिकल इनसर्जेंसी' का हिस्सा है। सल्तनत-ए-बांग्ला को तुर्की के गैर-सरकारी संगठन टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) से मिलने वाले सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें कि ये संगठन ग्रामीण विकास और युवाओं के सशक्तिकरण जैसे उदार कार्यों में लगा दिखाई देता है, लेकिन इसके कामकाज का वास्तविक उद्देश्य 'इस्लामी जिहाद' के एजेंडे को विस्तार देना है। यह टीवायएफ'मुस्लिम ब्रदरहुड' से वैचारिक रूप से जुड़ा है और इसकी गतिविधियों में शिक्षा के नाम पर धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देना प्रमुख रणनीति है। अब आप मुस्लिम ब्रदरहुड के बारे में भी समझ लीजिए; 1928 में मिस्र से इसकी शुरूआत है। संगठन केवल धार्मिक आंदोलन नहीं है, यह राजनीतिक इस्लाम की एक वैश्विक विचारधारा है जो किसी भी लोकतांत्रिक देश में जब पहुंचती है तो वहां के लोकतंत्र के ढांचे में रहकर इस्लामी सोच का पोषण करती है। एक ऐसी स्थिति पैदा करने का प्रयास करती है कि लोकतांत्रिक देश एक समय के बाद पूरी तरह से इस्लाम की सोच में बदल जाए और वहां शरीया कानून लागू हो जाए। वस्तुत: इसी सोच को ये 'टर्की यूथ फेडरेशन' के साथ मिलकर भारत और बांग्लादेश में इस्लामिक साम्राज्यवाद के नाम पर आज विस्तारित करता हुआ दिखता है। बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'टर्की यूथ फेडरेशन' से विचारधारात्मक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता दोनों मिल रही है। बांग्लादेश के मदरसे और विश्वविद्यालय इसके प्रभाव में हैं। टर्की यूथ फेडरेशन ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों को सशक्त किया है, जो भारत-विरोधी और इस्लामिक स्टेट की अवधारणा के हामी हैं। मार्च 2025 में हिज्ब-उत-तहरीर ने बांग्लादेश में एक 'खिलाफत मार्च' निकाला था, जिसमें खुलेआम कहा गया था कि दुनिया में मुस्लिमों की राजनीतिक सीमाएं नहीं होनी चाहिए। सल्तनत-ए-बांग्ला इसी 'सीमाहीन इस्लामी राष्ट्र' की अवधारणा को बंगाल की जमीन पर उतारने की कोशिश है। जिसमें कि 'टीवायएफ' समन्वय की अहम भूमिका निभाता दिखता है।

ये संगठन 'ग्रेटर बांग्लादेश' को केवल एक भौगोलिक विस्तार के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक-धार्मिक राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इसके एजेंडे में केवल क्षेत्रीय विस्तार नहीं, बल्कि भारत के अंदर धार्मिक ध्रुवीकरण और सामाजिक विखंडन पैदा करना भी शामिल है। इससे अधिक गंभीर बात यह है कि आज यह 'टीवाईएफ' भारत के भी कुछ कट्टरपंथी समूहों से संवाद करता हुआ नजर आता है। युरोपीय संसद के दस्तावेज़ों में यह उल्लेख है कि टर्की यूथ फेडरेशन (टीवायएफ) सहित कई टर्की के एनजीओस जकात (दान) और छात्रवृत्ति की आड़ में भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी विचारों की ओर प्रेरित करते हैं। छात्रों को पाकिस्तान या अन्य नेटवर्क से जोड़ा जाता है, जहां उन्हें कट्टरतर विचारधारा से प्रभावित किया जाता है। तुर्किये भारत में आईएसआईएस सदस्यों की गतिविधियों में धन लगा रहा है, जो भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी बनाने और 'तकनीकी जानकारी के हस्तांतरण' के माध्यम से बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक जिन संस्थाओं का प्रमुखता से नाम सामने आया है, उसमें तुर्की सहयोग और समन्वय एजेंसी (टीआईकेए), यूनुस एमरे संस्थान (यूईआई), अंतरराष्ट्रीय मानवीय राहत फाउंडेशन (आईएचएच), तुर्की-पाकिस्तान सांस्कृतिक संघ और तुर्की डायस्पोरा युवा अकादमी (वाईटीबी) के शासी बोर्ड जैसे शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को सुगम बनाने के लिए भारत के युवाओं को ही अपना हथियार बना रहे है। तुर्की के गैर-सरकारी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठनों को जकात दान के रूप में धन मुहैया करा रहे हैं।

रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिलाल एर्दोगन के स्वामित्व वाले तुर्की यूथ फ़ाउंडेशन (टीयूजीवीए) के पाकिस्तान स्थित जमात-ए-इस्लामी (जेआई) और उसकी युवा शाखा या स्टूडेंटस इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन (एसआईओ) जैसी पार्टियों और संस्थाओं से सीधे संबंध हैं। इसके अलावा, इस्लामी शैली की 'इरास्मस' योजना के तहत, भारतीय मुस्लिम छात्रों को तुर्किये लाया जा रहा है और पाकिस्तानी संगठनों से संपर्क कराया जा रहा है। ताकि वे 'ग्रेटर बांग्लादेश' और गजबा-ए-हिंद की सोच के लिए स्लीपर सेल बनकर भारत में रहते हुए काम करें। इन सभी संगठनों का उद्देश्य भारत के मुस्लिम समुदायों में यह भावना पैदा करना है कि उनकी पहचान भारतीय नहीं, इस्लामी है। यह देश की सामाजिक एकता के लिए दीर्घकालिक खतरा है। इस पूरे प्रकरण में सबसे नकारात्मक पक्ष यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस भी इनके साथ कहीं न कहीं मिले हुए दिखाई देते हैं, पिछले एक साल से यहां जो गैर मुसलमानों (हिंदू एवं अन्य) के विरोध में हिंसा हो रही है, उससे भी पता चल रहा है कि वे कट्टरपंथी तत्वों के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनकी बेटी दीना अफरोज यूनुस का नाम 'सल्तनत-ए-बांग्ला' से आर्थिक संबंधों के सिलसिले में सामने आया है।

कहना होगा कि भारत के लिए यह एक ऐसे वैचारिक उभार का दौर है, जहां दुश्मन पारंपरिक हथियार नहीं, सोशल मीडिया, शिक्षा, संस्कृति और इतिहास को हथियार बना रहा है। यदि भारत इस चुनौती का सामना केवल आंतरिक नीति से करने की कोशिश करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नहीं उठाता, तो यह संदेश जाएगा कि भारत अपने ही पड़ोस से उठती विचारधारात्मक चुनौती से अनभिज्ञ या असहाय है। इसलिए भारत को बांग्लादेश से इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। यदि जरूरत पड़े, तो इसे संयुक्त राष्ट्र, एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर भी उठाना चाहिए। इसके साथ ही आज यह भी जरूरी हो गया है कि सल्तनत-ए-बांग्ला और ग्रेटर बांग्लादेश जैसी अवधारणाएं भारत को उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक एकता पर पुनः विचार करने को विवश कर रही हैं। यह लड़ाई महज एक राष्ट्र के खिलाफ नहीं, एक लोकतांत्रिक भारतीय विचार दर्शन के विरोध में है । एक ऐसी इस्लामिक जिहादी लड़ाई जो विविधता को अस्वीकार करती है और धर्म (मजहब) के नाम पर एकरूपता थोपती है। इस समूह का एजेंडा न केवल भारत की भौगोलिक सीमाओं पर सवाल उठाना है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक विविधता को चुनौती देना भी है। इसलिए भारत को चाहिए कि ग्रेटर बांग्लादेश की सोच का सफाया वह हर संभव प्रयास कर पूरी तरह से अतिशीघ्र करे, अन्यथा कल को यह सोच भारत के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाएगी । (साभार : हिं.स.)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शनी

हैदराबाद में मंगलवार को बंजारा हिल्स में ग्रैंड फ़ैशन शोकेस में हाई-लाइफ़ प्रदर्शनी की तिथि की घोषणा के दौरान अभिनेत्रियाँ श्रवणति चोकारापु, रितिका चक्रवर्ती और निरुपमा, मॉडलों के साथ तस्वीर खिंचवाती हुईं।

आईटीआई लि. उप्र में भारत की पहली एआई-संचालित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/लखनऊ/दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और प्रवर्तन दक्षता में सुधार लाने के मकसद से एआई और बिग डेटा एनालिटिक्स-संचालित पायलट परियोजना शुरू करेगी। यह एआई परियोजना टेक्नोलॉजी फर्म एमलॉजिका के साथ साझेदारी में है। परियोजना मल्टी-सॉर्स डेटा के संग्रह और विश्लेषण का समर्थन करने के लिए एक स्केलेबल एनालिटिक्स फाउंडेशन विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें यातायात प्रवाह डेटा, पर्यावरणीय डेटा, चालक का प्रदर्शन, वाहन का प्रदर्शन, दुर्घटना रिपोर्ट, दुर्घटना स्थल पर सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत कईङ्क बिंदुओं को शामिल किया गया है।

बता दें कि आईटीआई लि. ने उप्र सरकार को सड़क दुर्घटनाओं के व्यापक मूल कारण विश्लेषण के लिए अपने कॉम्प्लेक्स इवेंट एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म के साथ एआई का लाभ उठाने की सिफारिश की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस पहल को मंजूरी दे दी है। छह सप्ताह के प्रोटोटाइप चरण में दुर्घटना रिकॉर्ड, मौसम डेटा, वाहन टेलीमैटिक्स, चालक हिस्ट्री और सड़क विवरण को शामिल किया जाएगा, ताकि दुर्घटना ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करने, मूल कारणों की पहचान करने और रीयल टाइम पॉलिसी डैशबोर्ड बनाने में सक्षम एआई मॉडल विकसित किए जा सकें।

सफल परीक्षण के बाद एआई सिस्टम को मुख्य परिवहन कार्यों में लागू किया जाएगा, जिसमें फेसलेस लाइसेंसिंग और परमिट, रेवेन्यू कलेक्शन, ई-चालान संचालन, मॉडर्न एनफॉर्समेंट और वाहन सारथी रजिस्ट्री शामिल हैं। इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम एआई संचालित यातायात प्रबंधन के इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और इस बात से बहुत खुश हैं कि उप्र सरकार ने यातायात प्रबंधन के लिए हमारे मॉडल को परीक्षण के रूप में चुना है। मैं अत्यंत गर्व के साथ यह कहना चाहता हूं कि आईटीआई लि. को अब देशभर की राज्य सरकारों द्वारा उनकी ई-गवर्नेंस पहलों को मजबूत करने के लिए सूचना एवं संचार टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सेवाओं का पूरा स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।' राय ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह एआई परियोजना सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने और किसी भी दुर्घटना को रोकने में काफी मददगार साबित होगी। हमारी टीम के मजबूत, एआई-संचालित विश्लेषण और डेटा फाउंडेशन का मकसद राज्यभर में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों को काफी कम करना है। मुझे उम्मीद है कि यह मॉडल एक बेंचमार्क बन जाएगा।' उल्लेखनीय है कि आईटीआई लि. महाराष्ट्र की ग्राम पंचायतों में आपले सरकार सेवा केंद्र परियोजना का क्रियान्वयन कर रही है। उसने हाल में ओडिशा और छत्तीसगढ़ में लगभग 88 करोड़ रुपए मूल्य के सीसीटीवी निगरानी और जीआईएस आधारित भूमि इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम अनुबंध हासिल किए हैं।

इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में उनकी पार्टी ने जगह-जगह प्रदर्शन किया

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने दो साल पहले भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग करते हुए मंगलवार को देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध रैलियां निकालीं।

पार्टी ने दावा किया कि सड़कों पर उतरे उसके 500 से अधिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जिनमें से अधिकतर पंजाब प्रांत से थे।

खान (72) को भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद पांच अगस्त, 2023 को लाहौर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से ही उन्हें अन्य मामलों में दोषी ठहराए जाने के कारण रावलपिंडी की अडियाला जेल में रखा गया है।

विरोध प्रदर्शन का आह्वान खान ने किया था। उनकी पार्टी ने दावा किया कि जेल में बंद नेता के समर्थक बड़ी संख्या में बाहर आकर इसका समर्थन कर रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने एक बयान में कहा, आज पांच अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में बंद किए जाने की दूसरी वर्षगांठ है। उनके सभी बुनियादी मानवाधिकार छीन लिए गए हैं, उनकी कानूनी टीम या परिवार तक कोई पहुंच नहीं है या बहुत सीमित पहुंच है तथा कभी-कभार कुछ लोगों से मिलने के अलावा उनकी अपनी पार्टी के राजनीतिक नेतृत्व तक कोई पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा, अकेले पंजाब में अब तक 500 से अधिक पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर लाहौर से हैं। इन गिरफ्तार लोगों में कई सांसद भी शामिल हैं।

सत्यपाल मलिक का राजनीतिक सफर: वफादार से विवादास्पद आलोचक तक

नई दिल्ली/भाषा। अनुभवी नेता सत्यपाल मलिक का पांच दशक लंबा राजनीतिक करियर कई राजनीतिक दलों से गुजरा और वह इस दौरान कई उच्च-स्तरीय संवैधानिक पदों पर भी रहे जिसके बाद वह उसी सत्ता प्रतिष्ठान के मुखर आलोचक बन गए जिसकी उन्होंने सेवा की थी। उन्होंने चार राज्यों - बिहार (2017), जम्मू और कश्मीर (2018), गोवा (2019) और मेघालय (2020) के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। लेकिन उनका सबसे प्रभावशाली कार्यकाल अगस्त 2018 में शुरू हुआ, जब उन्हें जम्मू और कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

इस कार्यकाल में दो महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं। पहला, 2019 का पुलवामा आतंकवादी हमला जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए तथा दूसरा, पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बना दिया गया तथा तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों--जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। मलिक जम्मू-कश्मीर राज्य के अंतिम राज्यपाल थे।

मलिक (79) कुछ समय से यहां एक अस्पताल में भर्ती थे और मंगलवार को उनका निधन हो गया। वर्ष 2019 में आज के ही दिन अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाया गया था।

यद्यपि वह भाजपा में एक वफादार के रूप में प्रमुखता से उभरे, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी पहचान केंद्र सरकार की नीतियों के मुखर आलोचक के रूप में होने लगी थी, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि एक अनुभवी प्रशासक से एक मुखर असंतुष्ट की बन गई थी।

जम्मू-कश्मीर से उन्हें गोवा स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां राज्य सरकार के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए क्योंकि उन्होंने कोविड-19 से निपटने के उनके प्रयासों की खुलेआम आलोचना की और उस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। गोवा से उन्हें मेघालय भेज दिया गया जो बतौर राज्यपाल उनका अंतिम कार्यभार था। राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने पर, उन्होंने महत्वपूर्ण मामलों पर सार्वजनिक रूप से केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा था कि पुलवामा हमला सरकारी उदासीनता का परिणाम था। उन्होंने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध का मुखर समर्थन किया।

अरमान मलिक की आवाज के मुरीद हुए इक्का, बोले- 'कुछ जादू सा है'

मुंबई/एजेन्सी

सिंगर अरमान मलिक और हिप-हॉप सिंगर इक्का का नया गाना 'मेबी' मंगलवार को रिलीज हो चुका है, जो नए प्यार की उमंग और रोमांच को खूबसूरती से पेश करता है। इक्का ने अपने साथी अरमान की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी आवाज शानदार है। 'मेबी' गाना रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर बूमबॉक्स का हिस्सा है, जो एक अनूठा म्यूजिकल प्लेटफॉर्म है। गाना मधुर है और संगीत इसे खास बनाता है। इक्का ने गाने के बारे में कहा, 'मेबी' मेरे पिछले गानों से अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस गाने में हमने रोमांस को मजेदार अंदाज में पेश किया है। अरमान की आवाज शानदार है, जिसने गाने को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि यह गाना सुनने वालों को खुशी देता है और प्यार में पड़ने के उस खास अहसास को याद दिलाता है। इक्का को इस सहयोग पर गर्व है।

अरमान मलिक ने भी गाने की तारीफ की और कहा, 'मेबी' में खास तरह की एनर्जी है, जो पहली धुन से ही महसूस होती है। यह मेरे लिए एक नया अनुभव है। मैं इक्का के साथ पहली बार काम कर रहा हूं और उनके साथ काम करना बेहद सहज रहा। हमने कुछ भी जबरदस्ती नहीं किया और यह गाने में साफ झलकता है। इक्का ने अपने करियर की शुरुआत रैपर रफ्तार और लिल गोलू के साथ की थी। बाद में वह यो यो हनी सिंह के 'माफिया मुंदीर ग्रुप' का हिस्सा बने। साल 2016 में उनका गाना 'हाल्फ विंडो डाउन' हिट रहा, जो पहले दिलजीत दोसांझ के लिए लिखा गया था। साल 2020 में उन्होंने मास अपील इंडिया के तहत अपना पहला सोलो एल्बम 'आई' रिलीज किया। इसके बाद साल 2014 में उन्होंने फिल्म 'तमंचे' के गाने 'इन द क्लब' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इक्का साल 2024 में एमटीवी हसल में रफ्तार के साथ जज के रूप में नजर आए। अरमान के बारे में बता दें कि उन्होंने चार साल की उम्र से गायन शुरू किया और साल 2007 में 'तारे जमीन पर' के गाने 'बम बम बोले' से बॉलीवुड में बतौर बाल गायक डेब्यू किया। उनके लोकप्रिय गाने 'बोल दो ना जरा' (अजहर), 'मैं हूं हीरो तेरा' (हीरो), 'बेसब्रियां' और 'जब तक' (एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी) हैं।

'रांझणा' के एआई संस्करण ने मुझे विचलित कर दिया: धनुष

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता धनुष ने अपनी फिल्म 'रांझणा' के एआई की मदद से बनाए गए अंतिम दृश्य पर असंतोष जताया और कहा कि यह संस्करण उस फिल्म से अलग है, जिससे उन्होंने 12 साल पहले बॉलीवुड में शुरुआत की थी। साल 2013 में रिलीज हुई 'रांझणा' का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था और इसमें सोनम कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं। हाल में फिल्म को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया, लेकिन इस बार इसका अंत कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बदल दिया गया, जिसे लेकर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। अभिनेता धनुष ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस नए संस्करण ने ''फिल्म की आत्मा को छीन लिया है।'' उनके अनुसार, उन्होंने पहले ही इसके खिलाफ आपत्ति जताई थी। रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में 42 वर्षीय अभिनेता ने लिखा, ''एआई से बदले गए क्लाइमैक्स के साथ 'रांझणा' की पुन: रिलीज ने मुझे पूरी तरह से विचलित कर दिया है। इस वैकल्पिक अंत ने फिल्म की आत्मा को ही छीन लिया है और मेरी स्पष्ट आपत्ति के बावजूद संबंधित पक्षों ने इसे बनाया। यह वह फिल्म नहीं है, जिसमें मैंने 12 साल पहले काम किया था।'' धनुष ने कहा कि इस तरह की प्रक्रिया ''कहानी कहने की ईमानदारी'' के लिए खतरा है। उन्होंने लिखा, ''फिल्मों या सामग्री को बदलने के लिए एआई का इस्तेमाल करना कला और कलाकारों दोनों के लिए बेहद चिंताजनक परंपरा है। यह कहानी कहने की ईमानदारी और सिनेमा की विरासत को खतरे में डालता है। मैं गंभीरतापूर्व आशा करता हूं कि भविष्य में इस तरह के चलन को रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाएंगे।'' फिल्म की कहानी बनारस और दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कुंदन (धनुष) नामक हिंदू लड़का ज़ोया (सोनम कपूर) नामक मुस्लिम लड़की से बचपन से प्रेम करता है। फिल्म के मूल संस्करण में क्लाइमैक्स के दौरान कुंदन एक रैली में गोली लगने के बाद अस्पताल में दम तोड़ देता है। एआई द्वारा बदले गए संस्करण में उसका अंत बदल दिया गया है और वह जीवित रहता है।

निर्देशक आनंद एल राय पहले ही निर्माता और वितरक कंपनी इरोज द्वारा रिलीज किए गए नए संस्करण की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि फिल्म को एक नए अंतिम दृश्य की जरूरत नहीं थी और वह पहले से ही एक बेहतरीन फिल्म है। वहीं, इरोज ने जवाब में कहा था कि कंपनी हमेशा नई तकनीकों को अपनाने में अग्रणी रही है और वैकल्पिक अंत का उद्देश्य दर्शकों की भागीदारी को बढ़ाना और एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। उसने यह भी कहा कि इसे ''वैकल्पिक संस्करण'' के रूप में दिखाया गया है। 'रांझणा' की पटकथा हिमांशु शर्मा ने लिखी थी। फिल्म में अभय देओल, स्वरा भास्कर और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं।

शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उठे सवालों को मुकेश खन्ना ने बताया बेतुका

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने हाल ही में शाहरुख खान को उनकी फिल्म 'जवान' के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार पर उठे सवालों पर प्रतिक्रिया दी। खन्ना ने कहा कि यह सवाल उठाने का कोई तुक नहीं है कि शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार क्यों मिला। वह पिछले 40 वर्षों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। साउथ अभिनेत्री उर्वशी ने शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने पर सवाल उठाए और जूरी के फैसले की निष्पक्षता पर संदेह जताया। उर्वशी ने सवाल किया कि शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार के तौर पर चुनने के लिए कौन से मापदंड अपनाए गए? मुकेश खन्ना ने इस बारे में अपनी राय रखते हुए आईएएनएस से कहा कि यह पुरस्कार किसी अभिनेता के पूरे करियर को सम्मानित करने के रूप में दिया जाता है, और शाहरुख खान को 40 साल के अपने फिल्मी सफर के बाद यह सम्मान मिलना पूरी तरह से उचित है।

उन्होंने कहा, जो लोग कह रहे हैं कि शाहरुख खान को इस फिल्म के लिए नहीं, बल्कि 'स्वदेश' के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए था। उन्हें यह समझना चाहिए कि किसी भी बड़े कलाकार के पूरे करियर को एक पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, जैसे ए.आर. रहमान को 'जय हो' के लिए ऑस्कर मिला, तो क्या किसी ने यह सवाल किया कि उन्हें पहले के शानदार संगीत के लिए क्यों नहीं यह सम्मान मिला? उनका कहना है कि पुरस्कारों का मूल्यांकन हमेशा एक कलाकार के पूरे योगदान और उसकी कड़ी मेहनत को देखते हुए किया जाता है, न कि किसी एक फिल्म के आधार पर। मुकेश खन्ना ने कहा, शाहरुख खान को यह पुरस्कार मिलने के बाद कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन यह किसी की सफलता पर सवाल उठाने का नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और कड़ी मेहनत का सम्मान करने का अवसर है।

प्रदर्शन

बैंक पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त लोगों के समन्वय संगठन (सीबीपीआरओ) के बैनर तले सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों ने मंगलवार को अहमदाबाद में लंबे समय से लंबित पेंशन संशोधन की मांग को लेकर एक दिवसीय भूख हड़ताल के दौरान प्ले कार्ड और पोस्टर लिए नारे लगाए।

'सन ऑफ सरदार 2' के बाद अब 'तेहरान' में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

मुंबई/भाषा

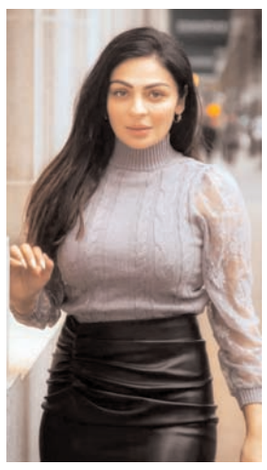

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी।यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है।

फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

'सैयारा' फिल्म देखकर रोते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलना कैसा अनुभव रहा : मोहित सूरी

नई दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्देशक मोहित सूरी हर शाम दो घंटे उन लोगों के संदेश और फोन का जवाब देने में बिताते हैं, जिन्होंने हाल ही में 'सैयारा' फिल्म देखी है। उनकी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर रोमांस को वापस लाने का श्रेय दिया जा रहा है। वह केवल एक ही बात जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या संदेश भेजने वाले और फोन करने वाले लोग फिल्म देखते समय रोये थे? दो नये कलाकारों, अभिनेता अहान पांडे और अभिनेत्री अनीत पड्डा की यह फिल्म काफी लोकप्रिय हो गई है। कई लोग इसे 'आशिकी 2' और अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' के लिए मशहूर निर्देशक सूरी तथा रोमांटिक कहानियों के लिए प्रसिद्ध बैनर यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के बीच एक बेहतरीन जोड़ी कह रहे हैं।

फिल्म 'सैयारा' ने 18 जुलाई को रिलीज होने के बाद से 300 करोड़ रुपए कमा लिये हैं और सूरी शीर्ष पर हैं। सूरी ने 2005 में हाशमी अभिनीत फिल्म 'जहर' से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद उन्होंने 'कलयुग', 'वो लम्हे' और 'एक विलेन' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। सूरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''जब मैं घर जाता हूं, तो अपनी पत्नी से कहता हूं कि मुझे दो घंटे दे दो क्योंकि शाम का शो खत्म होने वाला है और सब लोग फोन पर हैं। मैं सबका फोन उठाना चाहता हूं। मैं पूछना चाहता हूं कि उन्हें फिल्म कैसी लगी। जब वे रोते हुए सिनेमाघर से बाहर निकले तो उन्होंने क्या महसूस किया?'' 'सैयारा' एक उभरती हुई संगीतकार और एक गीतकार के इर्द-गिर्द घूमती कहानी है। संगीतकार को बहुत अधिक गुस्सा आता है और गीतकार अपने टूटे दिल से उबरने की कोशिश कर रही है। सूरी पहले इस फिल्म को अपनी 2013 की फिल्म 'आशिकी 2' के सीक्वल के रूप में बनाने के लिए बातचीत कर रहे थे, जिसमें आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे, लेकिन बाद में वाईआरएफ के साथ बात बन गई। अनुराग बसु कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली 'आशिकी 3' का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'आशिकी 3' वाली बात... अभी शुरुआती दौर में थी। उन्होंने ('आशिकी 3' के निर्माताओं ने) मुझसे पूछा था कि क्या मैं इसे बनाने में दिलचस्पी रखूंगा। यही मेरा आइडिया था, लेकिन मैं तब तक किसी चीज़ के लिए प्रतिबद्ध नहीं होता जब तक मेरे पास स्क्रिप्ट तैयार न हो। वे शुरुआत करने की जल्दी में थे, इसलिए जब अनुराग ने इसे संभाला तो मुझे बहुत खुशी हुई, लेकिन मैं इस प्रक्रिया में जल्दबाज़ी नहीं कर सकता था।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 06-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जसवंतगढ़ नागरिक परिषद द्वारा कनकपुरा रोड स्थित काकड़ा हरिहर गार्डन में श्रावण पिकनिक व पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया।

राजराजेश्वरी नगर में मुमुक्षु प्रेक्षा कोचर का अभिनन्दन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी का सान्निध्य में मंगलवार दोपहर को मुमुक्षु प्रेक्षा कोचर का सम्मान किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि यह अभिनन्दन व सम्मान त्याग, वैराग्य, संयम का सम्मान है। यह त्याग, संयम आत्मा के प्रकाश को उजागर करते हैं। आत्मा के प्रकाश से ही सम्यक्तव का बीज अंकुरित होता है। जितना वैराग्य पुष्ट होता है उतना ही बीज पल्लवित होता है। आज के भौतिक युग में सम्यक्तव की प्राप्ति ही वैराग्य को पुष्ट बनाती है। इसी के साथ त्याग, वैराग्य के पथ पर बढ़ना बहुत बड़ी साधना है। इस मौके पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए मुमुक्षु के आध्यात्मिक भविष्य की मंगलभावना की। मुमुक्षु प्रेक्षा ने कहा कि इस संसार में व्यक्ति अकेला आता है और अकेला ही जाता है, जो व्यक्ति अपने जीवन में धर्म का आचरण करता है वही संयम पथ पर अग्रसर हो सकता है। मुमुक्षु अहमदाबाद में 3 सितम्बर को आचार्य महाश्रमण की निश्रा में दीक्षा ग्रहण करेंगी। साध्वी बोधिप्रभाजी ने गीत के माध्यम से अपने भावों की प्रस्तुति दी। उपासक महेन्द्र दक, गजेन्द्र कोचर ने भावाभिव्यक्ति दी। मुमुक्षु का परिचय ममता दुगड़ ने दिया। सभा की ओर से मुमुक्षु का सम्मान किया गया। महिला मंडल की सचिव वंदना भंसाली ने संचालन किया। इस मौके पर महिला मंडल की अध्यक्ष मंज बोथरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

परमात्मा की भक्ति से ही आत्मिक आनंद की प्राप्ति संभव : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें आत्मा के गुणों को अनावरित करते हुए आत्म तल्लीनता में मग्न होना है। परमात्मा की भक्ति में एकाग्रता लानी है। प्रभु की दृष्टि से दृष्टि मिलाकर हमें अपनी दृष्टि को निर्मल बनाना है। हमारे निमित्त से किसी को भी परमात्मा की सेवा भक्ति से अंतराय नहीं आए, इस बात का भी हमें परमात्मा की सेवा करते हुए ध्यान में रखना चाहिए। परमात्मा की भक्ति में तल्लीनता आने के बाद हमें आत्मिक आनंद की प्राप्ति होगी। हमें भावों में ऐसी एकाग्रता लानी है जिसमें हमारी एक क्षण की भक्ति भी आत्मा का कल्याण करवा दे और हमारे कर्मों की निर्जरा करवा दे। परमात्मा द्वारा बताई गई प्रत्येक क्रिया में हमारी एकाग्रता होनी चाहिए। साधन सुविधाओं में तल्लीनता से हमारे कर्मों का बंध ही होगा। इसमें जीवों की हिंसा ही होगी। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा निगोद निवारण तप की आराधना जारी है, इसमें तपस्वी को कुल 25 उपवास और आठ बियासना करने होते हैं। साठ से अधिक तपस्वियों का पारणा 14 अगस्त को होगा।

तेरापंथ भवन गांधीनगर में दीक्षार्थी प्रेक्षा कोचर का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की निश्रा में दीक्षार्थी प्रेक्षा कोचर के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। मुनिश्री ने संयम जीवन का महत्व उजागर करते हुए कहा, संयम रूपी रथ पर आरूढ़ होकर व्यक्ति मोक्ष मंजिल शीघ्र प्राप्त करता है। संयम का मतलब लक्षित मंजिल की तरफ प्रस्थान करना है। असंयम का भाव जन्म जन्मांतरों में भटकाता है, यह अनादि काल की कभी न बुझने वाली प्यास है जबकि संयम स्वयं में संतुष्टि को विकसित करता है। मुनिश्री ने कहा कि संयम की साधना का आनंद अनुपम व अखण्ड होता है। मुनिश्री ने बताया कि मुमुक्षु प्रेक्षा कोचर की दीक्षा अहमदाबाद में आचार्यश्री महाश्रमणजी की निश्रा में 3 सितम्बर को होगी। मुमुक्षु प्रेक्षा कोचर ने बताया कि मुनिश्री का आशीर्वाद एवं प्रेरणा हमेशा मिलती है। उपासक महेंद्र दक ने मुमुक्षु का परिचय दिया। मुनि आदित्य कुमारजी व तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याओं ने संयम अनुमोदना में गीत प्रस्तुत किया। महिला मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी, गजेंद्र कोचर तथा तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने संयम पथ की अनुमोदना की। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। तेरापंथ सभा एवं समस्त सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुमुक्षु का सम्मान किया।

सरलता, सहजता की प्रतिमूर्ति हैं साध्वीश्री कंचनकंवर : साध्वी अणिमाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी का 65वां जन्मदिन तप एवं जप के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया । इस मौके पर अणिमाश्रीजी ने कहा कि सरलता, सहजता की प्रतिमूर्ति हैं साध्वी कंचनकंवरजी। उनका जीवन गुणों की खान है। साध्वीश्री का व्यक्तित्व बहुत ही सरल व प्रभावशाली है। साध्वीश्री ज्ञान धन से सम्पन्न व श्रमण संघ की शान और जिनशासन की प्राण हैं। मलयाश्रीजी ने कहा कि हमारे जीवन की शिल्पकार कंचनकंवरजी का आज जन्मोत्सव है।

साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि उनकी प्रत्येक वृत्ति व प्रवृत्ति में सादगी की झलक है। साध्वीश्री के जन्मदिन पर संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, सुरेश गोलेछा, रोशन बाफना सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस के कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने किया।

'इग्नाइट यूथ कॉन्क्लेव' में आईटी मंत्री प्रियंक ख़रगे होंगे मुख्य अतिथि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो नार्थ चैप्टर द्वारा 5 सितम्बर से तीन दिवसीय 'जीतो ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' के अंतर्गत 7 सितम्बर को 'इग्नाइट यूथ कॉन्क्लेव' का आयोजन पैलेस ग्राउंड्स स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में किया जाएगा। इस युवा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने के लिए जीतो नॉर्थ यूथ विंग के प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक के मंत्री प्रियंक ख़रगे से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया है। प्रतिनिधि मंडल में जीतो एपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत, निदेशक एवं यूथ प्रभारी प्रवीण शाह, केकेजी ज़ोन के ज़ोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, नॉर्थ के चेयरमैन श्री विमल कटारिया, मुख्य सचिव विजय सिंघवी, यूथ जीतो अपेक्स के सचिव मनीष कोठारी, यूथ विंग संयोजक प्रमीत बाफना, यूथ चेयरमैन अनीश भोजानी एवं महासचिव आशीष टपरावत शामिल थे। प्रियंक ख़रगे ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्याम बाबा का एकादशी विशेष श्रृंगार

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में पवित्रा एकादशी पर श्याम बाबा प्रतिमा का ताजे फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। इस मौके पर शाम को भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। मंगलवार को सावन माह की एकादशी के मौके पर श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के श्रृंगार के मनोरम दर्शन किए।

जीतो साउथ महिलाओं ने राखी निर्माण कार्यशाला में राखी बनाना सीखा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा आर्ट एंड कल्चर वर्टिकल के अंतर्गत 'प्यार का बंधन' नामक राखी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को अनेक प्रकार की राखियाँ बनाना सिखाया गया। संयोजिका अर्पिता लढ़ानी और रेखा विनोद ने संयोजन किया।

राखी निर्माण का प्रशिक्षण देने आई सरिता नाहर ने बहुत ही रोचक व प्रभावशाली ढंग से उपस्थित महिलाओं को राखी बनाना सिखाया। सभागार में दो बड़े स्क्रीन लगाए गए थे, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशिक्षिका द्वारा दी जा रही विधियों को स्पष्ट रूप से देखने और समझने का अवसर मिले। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए राखी पर्व का महत्त्व बताया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया। कार्यक्रम में लेडीज विंग की कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सचिव साक्षी नाहर, चन्द्रा जैन, संगीता सियाल, प्रिया गांधी, अंगिका बाफना, वनिता बच्छावत एवं अस्मिता चौहान का विशेष सहयोग रहा।

क्रोध रूपी अग्नि से बचाकर आत्मा को मोक्ष की ओर ले जाएं : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने केशी श्रमण और गौतमस्वामी के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि गौतमस्वामी ने बताया कि क्रोध एक तीव्र कषाय है, जो मनुष्य को भीतर ही भीतर अग्नि के समान जलाती है। यह आत्मिक गुणों को भी भस्म कर देती है। जिनवाणी ऐसा दिव्य उपाय है, जिसके श्रवण, चिंतन और मनन करने से क्रोध की तीव्रता मंद पड़ती है और आत्मा में शांति का संचार होता है। क्रोध को त्यागना संभव है, लेकिन उसके लिए जागरूकता, आत्मनिरीक्षण और संयम की आवश्यकता होती है। साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि धर्म का परम उद्देश्य आत्मा को कर्मबंधन से मुक्त कर मोक्ष की दिशा में अग्रसर करना है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शुद्ध आचरण के साथ आत्मा की पहचान करते हुए आत्म-कल्याण के पावन मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं पहचानती, तब तक वह बाह्य आकर्षणों, विकारों और मोहजाल में फँसी रहती है। सभा में बाबूलाल बाफना ने 8 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

'मातृछाया' ने लेप्रोसी अस्पताल में किया आवश्यक सामग्री का वितरण

बेंगलूरु। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' ने मंगलवार को मागड़ी रोड स्थित कुष्ठ रोग अस्पताल 'दि सेंट्रल लेप्रोसी हॉस्पिटल' में जाकर रोगियों को फल, स्लिपर्स, गाउन, विविध खाद्य एवं आवश्यक राशन सामग्री वितरित की। इस मानवसेवा कार्य में अध्यक्ष ललिता नागोरी, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, सचिव रेशमा बड़ोला, संयोजिका कविता जैन एवं मनीषा सालेचा ने बताया कि संगठन आगे भी अस्पताल के रोगियों के लिए मासिक सहयोग निरंतर जारी रखेगा। अस्पताल प्रबंधक ने धन्यवाद देते हुए कहा कि 'मातृछाया' ने जिस संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ रोगियों की सेवा की है, वह सराहनीय है। इस अवसर पर निर्मला दांतेवड़िया, पुष्पा बाफना, नीलम ललवानी, त्रिशला दांतेवड़िया, पवन मुथा, पुष्पा सोनीगरा, कंचन जैन आदि उपस्थित थीं।

जसवंतगढ़ नागरिक परिषद का पारिवारिक मिलन कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न

विभिन्न मनोरंजक खेलों का सभी ने उठाया आनंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जसवंतगढ़ नागरिक परिषद द्वारा कनकपुरा रोड स्थित काकड़ा हरिहर गार्डन में श्रावण पिकनिक व पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। परिषद के अध्यक्ष हरिकिशन सारड़ा ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि श्रावण मास में इस तरह के आयोजन हमें आपसी पारिवारिक मेलमिलाप को व प्रकृति के साथ समय बिताने को बढ़ावा देते हैं। सचिव हरीश तापड़िया ने बताया कि दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। परिषद के संस्थापक सदस्य विजय तोषनीवाल, रघुनाथ तोषनीवाल, शोभाचंद तापड़िया, बसंत सारड़ा, अध्यक्ष हरिकिशन सारड़ा, सचिव हरीश तापड़िया, लखीमपुर असम से आए भागीरथ लाहोटी, दिल्ली से आए महेश तापड़िया एवं विशेष अतिथि श्याम सुंदर काकड़ा ने सालासर हनुमान जी की पूजा कर आरती की। भजन गायक हरिकिशन सारड़ा, अनसुइया सारड़ा, पुष्पा राठी ने जसवंतगढ़ स्कूलों में प्रचलित सामूहिक प्रार्थना गाई, साथ ही उपस्थित जनों ने सामूहिक प्रार्थना की।

सहसचिव नवनीत सारड़ा ने बताया कि परिषद के सदस्यों के लिए अनेक मनोरंजक खेल क्रिकेट, कैरम, फुटबॉल, ताश, सामूहिक हाऊजी आदि का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने खून आनंद उठाया। पुरुष वर्ग ने आपसी बातचीत की तो महिलाओं द्वारा सावन गीत गाए गए। कोषाध्यक्ष धीरज तोषनीवाल ने बताया कि इस पारिवारिक मिलन कार्यक्रम में नाश्ता, भोजन व हाईटी की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। लक्की ड्रॉ के माध्यम से भी अनेक उपहार बांटे गए। उपाध्यक्ष रमेश गगड़ ने धन्यवाद दिया।

जैन युवा संगठन एवं सेवा ट्रस्ट के सदस्यों ने हुमचा पद्मावती मंदिर व साध्वीश्री के दर्शन किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जैन युवा संगठन एवं सेवा ट्रस्ट के सदस्यों ने शिवमोग्गा में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मणिप्रभाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा एक दिवसीय धार्मिक यात्रा में हुमचा स्थित माँ पद्मावती देवी मंदिर एवं वडनबैल मंदिर के दर्शन किए। साथ ही जोग फॉल का भी भ्रमण किया। इस यात्रा में संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, सहमंत्री दीपेश धोखा एवं कोषाध्यक्ष विनय गांधी सहित सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, उपाध्यक्ष भरत रांका, मंत्री विनोद नंदावत सहित करीब 40 सदस्य शामिल थे।

आत्मा अनमोल है और उसका अस्तित्व अकेले में है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आत्मा अनमोल है और आत्मा का अस्तित्व अकेले में है। संसार के रिश्ते शरीर से संबंधित होते हैं। यह मानव भव मात्र एक भ्रमण है। यहां से हम चाहें तो अनंत भवों की यात्रा का अंत भी कर सकते हैं और चाहें तो और बढ़ा भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह जगत एक मेला, एक धर्मशाला है, बाकी सब झमेला है। किसी के कफन में जेब नहीं होता है तो हम क्यों पेटी और पीढ़ी की चिंता करते हैं।संसार में सीमित व्यापार रखें। अनेकों से संपर्क होगा तो संघर्ष भी होगा। बस इस भव भ्रमण को विश्राम स्थल माने और आगे की अर्थात मोक्ष की तैयारी करें। साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि मात्र सोचने से भी कल्याण नहीं हो सकता है। हमारा पराक्रम भी वैसा होना चाहिए। आचार्य जयमल जी ने मानव मात्र के कल्याण के लिए अनेक तप किए, परिषह सहे और जीवन काल में 700 मुमुक्षों को दीक्षा दी। हमें भी अपने जीवन और गति की चिंता करनी चाहिए और अनंत काल से चल रही यात्रा को विराम देने का पुरुषार्थ करना चाहिए। प्रवचन सभा में चेन्नई आदि स्थानों से श्रावक श्राविका उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। सभा में निधि कोठारी ने 8 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान :

कर्नाटक राज्य प्रौढशाला संस्कृत अध्यापक संघ द्वारा मल्लेश्वरम स्थित सरकारी महिला महाविद्यालय में संस्कृत पुरस्कार वितरण-2025 का आयोजन किया गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ सीएन अश्वत्थनारायण ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मारुति मेडिकल के महेन्द्र मुणोत सहित अनेक गणमान्य लोग अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में संस्कृत में श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले 300 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com